TITLE CODE :-DELHIN29015

राजनीतिक दांव

जीत सत्य की...

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से प्रकाशित

बिजली संकट को लेकर एक्शन में केंद्र सरकार

बिजली संयंत्रों को कोयला आयात करने का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के कई राज्यों में बिजली संकट को देखते हुए केंद्र सरकार एक्टिव मोड में आ गई है। बिजली की मांग में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि को देखते हुए बिजली मंत्रालय ने सभी आयातित कोयला बिजली संयंत्रों को पूरी क्षमता से संचालित करने का आदेश दिया है। आपात स्थिति को देखते हुए, केंद्रीय मंत्रालय ने सभी राज्यों और घरेलू कोयले पर आधारित सभी उत्पादन कंपनियों को सम्मिश्रण के लिए कोयले की अपनी आवश्यकता का कम से कम 10 प्रतिशत आयात करने का निर्देश दिया है। मंत्रालय के एक आधिकारिक आदेश में कहा गया है कि "ऊर्जा के संदर्भ में बिजली की मांग में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। घरेलू कोयले की आपूर्ति में वृद्धि हुई है, लेकिन आपूर्ति में वृद्धि बिजली की बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है।

बिजली संयंत्र में कोयले की कमी चिंताजनक

मंत्रालय द्वारा दिए गए आदेश में कहा गया है कि कायले की आपूर्ति में कमी से विभिन्न क्षेत्रों में लोड शेडिंग हो रही है। बिजली उत्पादन के लिए कोयले की दैनिक खपत और बिजली संयंत्र में कोयले की दैनिक प्राप्ति के बीच बेमेल के कारण बिजली संयंत्र में कोयले का स्टाक चिंताजनक दर से घट रहा है।" मंत्रालय ने कहा है कि कोयले की अंतरराष्ट्रीय कीमत अभूतपूर्व ढंग से बढ़ी है। यह वर्तमान में लगभग 140 अमेरिकी डालर प्रति टन है। इसके परिणामस्वरूप, सम्मिश्रण के लिए कोयले का आयात, जो 2015-16 में 37 मिलियन टन था आज नीचे चला गया है, जिससे घरेलू कोयले पर अधिक दबाव पड़ा है।

कोयले की कीमत पास थ्रू पर होगी

मंत्रालय ने कहा कि जहां आयातित कोयला आधारित संयंत्र एनसीएलटी (नैशनल कंपनी ला ट्रिब्यूनल) के तहत चल रहे हैं, वहां समाधान पेशेवर संयंत्रों को पूरी क्षमता से संचालित करने को कार्यात्मक बनाने के लिए कदम उठाएंगे।" यह सुनिश्चित करने के लिए कि आयातित कोयले पर आधारित सभी बिजली संयंत्र काम करना शुरू कर दें, केंद्र ने राज्यों को सलाह दी है कि कोयले की कीमत पास थ्रू होनी चाहिए। अधिकांश राज्यों ने ऐसा किया है और आयातित कोयला आधारित उत्पादन क्षमता के 17,600 मेगावाट में से लगभग 10,000 मेगावाट का संचालन शुरू हो गया है। हालांकि, कुछ आयातित कोयला आधारित क्षमता अभी भी काम नहीं कर रही है।

संयंत्रों को पहले बिजली खरीद समझौते (पीपीए) धारकों को बिजली की आपूर्ति करने और बिजली एक्सचेंजों को अधिशेष बेचने के लिए कहा गया है। बयान में कहा गया है कि यदि उत्पादक विदेश में कोयला खदानों के मालिक हैं, तो खनन लाभ को शेयरधारिता की सीमा तक समायोजित किया जाना है। पीपीए धारकों को साप्ताहिक आधार पर या तो बेंचमार्क दर या पारस्परिक रूप से बातचीत की दर पर उत्पादन कंपनियों का भुगतान करना होगा। यदि डिस्काम किसी भी तरह से बिजली खरीदने में असमर्थ हैं, तो इसे पावर एक्सचेंजों में बेचा जाएगा।

बिजली संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति सुनिश्चित करने को राज्य करें कार्रवाई : आरके सिंह

नयी दिल्ली। केंद्रीय विद्युत एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने कहा है कि मौजूदा बिजली और कोयला संकट की स्थिति में बिजली संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिये राज्यों को कार्रवाई करनी चाहिए। श्री सिंह ने बिजली घरों के लिये कोयले के आयात की स्थिति पर राज्यों के साथ वर्चुअल समीक्षा बैठक में यह बात कही। उन्होंने कहा कि बिजली संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए रेल-सह-सड़क मार्ग (आरसीआर) का इस्तेमाल किया जाये जिससे राज्यों में स्थित बिजलीसंयंत्रों में कोयले की कमी को पूरा किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि अगर किसी राज्य के आरसीआर कोयला नहीं उठाने की स्थिति में उसे अन्य राज्यों को आबंटित कर दिया जायेगा और ऐसे में उस राज्य में बिजली कटौती होगी तो उसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। उन्होंने कहा कि बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिये घरेलू कोयला आपूर्ति की अड़चनों को ध्यान में रखते हुये ताप बिजली संयंत्रों के लिये कोयले के आयात की भी सलाह दी गयी है ताकि आयातित कोयले को घरेलू कोयले के साथ उपयोग किया जा सके। ऐसा करने से इसी महीने में ही बिजली संयंत्रों को अतिरिक्त कोयला मिल जायेगा। उन्होंने कहा कि कोयला कंपनियों द्वारा प्राप्त कोयले के अनुपातानुसार सभी बिजली कंपनियों को घरेलू कोयले की आपूर्ति की जायेगी। उन्होंने बताया कि तमिलनाडु और महाराष्ट्र ने कोयले के आयात के लिये आर्डर दे दिया है, जबकि पंजाब और गुजरात अपनी संविदाओं को अंतिम रूप देने के चरण में हैं।

हिजबुल के शीर्ष कमांडर समेत तीन आतंकवादी ढेर

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में अनंतनाग जिले के ऊपरी इलाके में अमरनाथ यात्रा मार्ग पर शुक्रवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में आंतकवादी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन के एक शीर्ष कमांडर समेत तीन आतंकवादी मारे गये।

कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने कहा ह्र अनंतनाग जिले के ऊपरी इलाके में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में हिजबुल के लिए काम करने वाले सबसे पुराने आतंकवादियों में से एक मोहम्मद अशरफ खान उर्फ मौलवी और उसके दो साथी मारे गये।

पुलिस ने बताया कि पहलगाम के श्रीचंद टॉप पर आतंकवादियों के छिपे होने की खुफिया जानकारी मिलने पर सुरक्षा बलों की संयुक्त टीमों ने आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू किया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जैसे ही सुरक्षा बलों की टीम मौके पर पहुंची, आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई के बाद दोनों पक्षों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गयी। मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गये। बताया जा रहा है कि मौलवी वर्ष 2016 से घाटी में सक्रिय था।

पुलिस महानिरीक्षक ने ट्वीट में कहा ह्र हिजबुल के सबसे पुराने सक्रिय आतंकवादियों में से एक अशरफ खान उर्फ मौलवी अपने दो साथियों के साथ मारा गया।

गौरतलब है कि यह मुठभेड़ ऐसे समय में हो रही है, जब जम्मू-कश्मीर श्री अमरनाथ यात्रा की मेजबानी की तैयारी कर रहा है। अमरनाथ यात्रा कोरोना महामारी के कारण दो वर्ष तक स्थगित रहने के बाद इस वर्ष फिर शुरू की जा रही है।

आंतकवादी संगठन के दो मददगार गिरफ्तार

श्रीनगर। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में बडगाम में सुरक्षा बलों ने कट्टरपंथी संगठन अंसार गजवत-उल-हिंद (एजीयूएच) के दो मददगारों (ओजीडब्ल्यूएस) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जानकारी के अनुसार, संयुक्त बलों ने बडगाम जिले के हुरू इलाके में दोनों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए दोनों मददगार डंगरपोरा रजवान निवासी अमीर मंजूर बुडू और पुट्टरमुल्ला सफापोरा गांदरबल निवासी शाहिद रसूल है। पुलिस ने कहा,'प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन एजीयूएच को सहायता पहुंचाने वाले दोनों सदस्यों के पास से एक हथगोला और एके-47 की 25 राउंड गोली बरामद की गई है।' उन्होंने कहा कि बडगाम पुलिस ने संबंधित धारा में दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

कोरोना मृतकों का सही आंकड़ा देने के लिए सर्वदलीय आयोग गठित करे सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि कोरोना के कारण देश में मारे गये लोगों के बारे में सरकार ने गलत आंकड़ा देकर दुनिया के सामने भारत की छवि को खराब किया है इसलिए उसको अपनी गलती स्वीकार करते हुए इस संबंध में सही आंकड़ा देने के लिए सर्वदलीय आयोग का गठन करना चाहिए।

कांग्रेस प्रवक्ता गौरव बल्लभ ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन(डब्ल्यूएचओ) तथा अन्य एजेंसियों ने कहा है कि भारत ने कोरोना से हुई मौतों का गलत आंकड़ा दिया है और भारत दुनिया में दूसरा देश है जिसने कोरोना मृतकों का सही आंकड़ा नहीं दिया है।

उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएचओ कहता है कि कोरोना के कारण 2020-2021 के दौरान दुनिया में डेढ़ करोड़ लोगों की मौत हुई है। इस दौरान दुनिया में कोरोना के कारण मरने वाला हर तीसरा आदमी भारत में मर रहा था। भारत सरकार कहती है कि एक जनवरी 2020 से 31 दिसम्बर 2021 के बीच कोरोना के कारण देश में 5.24 लाख लोग मारे गये हैं जबकि

डब्ल्यूएचओ का कहना है कि इस अवधि में भारत में 47 लाख लोग मारे गये थे। प्रवक्ता ने कहा कि भारत सरकार ने डब्ल्यूएचओ के आंकड़े को नकारते हुए कहा कि वह गलत आंकड़ा दे रहा है और भारत सरकार ने जो आंकडा दिया है वह सही है।

डब्ल्यूएचओ कहता है कि भारत सरकार ने जो डाटा दिया है वह वास्तविकता से 10 गुना कम है। सरकार यदि डब्ल्यूएचओ तथा अन्य एजेंसियों के डाटा को नहीं मानती है तो उसे इसका कारण बताना चाहिए और तार्किक रूप से कहना चाहिए कि उसका डाटा गलत क्यों है। उनका कहना था कि डब्ल्यूएचओ के डाटा को तर्को के आधार पर नकारा जा सकता है।

इससे पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी कोरोना से मरे लोगों की संख्या को लेकर सरकार पर हमला करते हुए उसके आंकड़े पर सवाल उठाए और कहा कि विज्ञान झूठ नहीं बोलता, इसलिए सरकार को सही आंकड़ा देना चाहिए।

प्रोफेसर गौरव बल्लभ ने कहा कि यह बड़ा सवाल है कि कोविड से हुई मौतों को लेकर सरकार ने झूठ क्यों बोला और दुनिया में भारत की छवि को तार-तार क्यों किया। दुनिया में भारत के कोरोना प्रबंधन को लेकर बड़ी आलोचना हो रही थी। विश्व की कई प्रमुख एजेंसियां और अखबार भारत सरकार के कोरोना कुप्रबंधन के बारे में बड़े-बड़े लेख लिख रहे थे। उन्होंने कहा, सरकार को यह स्वीकार करना चाहिए कि पर्याप्त आईसीयू व्यवसथा और बेड नहीं होने तथा ऑक्सीजन की कमी के कारण कोरोना की पहली और दूसरी लहर के दौरान देशभर में कोरोना पीड़ित तड़प-तड़प कर दम तोड़ रहे थे। दुनिया ने देखा है कि किस तरह से मां गंगा में कोरोना से मारे गये लोगों के शव तैर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की विश्वसनीयता को दुनिया के पटल पर तार-तार किया है।

बग्गा की गिरफ्तारी के बाद तीन राज्यों में गहमागहमी

चंडीगढ़। पिछले एक माह में अलग-अलग राज्यों की पुलिस लगातार आमने-सामने हो रही है। एक माह में पंजाब पुलिस के खिलाफ दिल्ली में दो एफआइआर दर्ज हो गई हैं। तजिंदर पाल सिंह बग्गा की गिरफ्तारी के बाद बवाल इतना बढ़ा कि तीन राज्यों की पुलिस आपस में उलझ गई।

पंजाब पुलिस ने हरियाणा पुलिस पर आरोप लगाया कि हरियाणा पुलिस ने पंजाब पुलिस के डीएसपी के साथ बदसलूकी की। वहीं, हरियाणा पुलिस का कहना था कि दिल्ली पुलिस ने उन्हें जानकारी दी थी कि बग्गा का अपहरण हुआ है। किसी भी सूरत में बग्गा हरियाणा से बाहर नहीं जाना चाहिए।

बग्गा के पिता की शिकायत पर पंजाब पुलिस के खिलाफ दिल्ली में अपहरण का मामला दर्ज किया गया है। हालांकि पंजाब पुलिस का कहना है कि बग्गा की गिरफ्तारी पूरी तरह से नियमों के तहत की गई है। इससे पहले बीती 26 अप्रैल को अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान की दिल्ली में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान पंजाब पुलिस ने एक पत्रकार के साथ बदसलूकी, धक्का-मुक्की और मारपीट की थी। जिसके बाद दिल्ली पुलिस और पंजाब पुलिस आमने-सामने आ गई थी। दिल्ली के कनाट प्लेस थाने में पंजाब पुलिस के कर्मचारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। शिकायत एक वरिष्ठ पत्रकार की ओर से की गई थी, जिसमें कहा गया था कि वह एक निजी होटल में प्रेस कांफ्रेंस अटेंड करने पहुंचे थे इस दौरान उनसे न सिर्फ बदसलूकी की गई, बल्कि धक्का-मुक्की भी की गई।

पंजाब व हरियाणा-दिल्ली पुलिस आमने-सामने

वहीं, तजिंदर पाल सिंह बग्गा को गिरफ्तार करने पहुंची पंजाब पुलिस की टीम को लेकर जो घटनाक्रम शुरू हुआ उसको लेकर इंटरनेट मीडिया पर कई तरह की बयानबाजी होने लगी। सोशल मीडिया पर लोगों का कहना था कि सभी राज्यों की पुलिस कठपुतली की तरह का काम कर रही है, जबकि पुलिस को निष्पक्ष तरीके से काम करना चाहिए। बता दें, यह मामला अब पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में पहुंच गया है।

समूचे विपक्ष ने आप सरकार को घेरा

पंजाब पुलिस द्वारा दिल्ली में बग्गा की गिरफ्तारी ने पंजाब में पूरे विपक्ष को एक मंच पर ला दिया। भाजपा ही नहीं, बल्कि कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल ने भी इस घटना की निंदा की। भाजपा के प्रदेश प्रधान अश्वनी शर्मा ने कहा कि बग्गा को गिरफ्तार करने के लिए पंजाब पुलिस ने 12 गाड़ियां भेजी। पंजाब सरकार अगर इतनी ही सक्रिय है तो कल जो आतंकवादी पकड़े गए उसे हरियाणा पुलिस ने पकड़ा। पंजाब पुलिस तो पीछा ही करती रह गई। भाजपा के प्रदेश महासचिव डा. सुभाष शर्मा ने कहा, एक तरफ मुख्यमंत्री भगवंत मान अपने दफ्तर में बाबा साहेब अंबेडकर और भगत सिंह की फोटो लगाते हैं। दूसरी तरफ वह अंग्रेजों की दमनकारी नीति को अपनाते हैं।

व्यक्तिगत हिसाब-किताब चुकाना सबसे पड़ा पापः सिद्धू

कांग्रेस के पूर्व प्रदेश प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा, बग्गा अलग पार्टी से हो सकते हैं, हमारे वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान के राजनीतिक प्रतिशोध को पंजाब पुलिस के जरिये पूरा करना सबसे बड़ा पाप है। उन्होंने आप सरकार को कहा कि पंजाब पुलिस का राजनीतिकरण करके उसकी छवि खराब करना बंद करना चाहिए।

पंजाब पुलिस की छवि खराब करने वालों की जवाबदेही तय होः वडिंग

कांग्रेस के प्रदेश प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने कहा कि अरविंद केजरीवाल अपने तानाशाही तरीके को पूरा करने के लिए अनुभवहीन भगवंत मान का सहारा लेते हैं। वडिंग ने व्यंग्य किया कि कुरुक्षेत्र में हमारे सजायाफ्ता पुलिस को 'अपहरण' के लिए 'आरोपी' के रूप में रखा गया। हमारी पुलिस को ऐसी शर्मनाक स्थिति में डालने की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। वड़िंग ने कहा कि आप राजनीतिक विरोधियों के साथ खुन्नस निकालने के लिए पुलिस के दुरुपयोग को लेकर भारतीय जनता पार्टी से भी आगे निकल गई है।

हज 2022 : जल्द होगा फ्लाइट की तरीखों का एलान

नई दिल्ली। हज 2022 को लेकर शनिवार को मुंबई में अहम बैठक होने वाली है, जिसमें अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी भी शिरकत करेंगे। इस बैठक के दौरान खादिमुल हुज्जाज (सेवाकार) की ट्रेनिंग भी होगी, साथ ही हज के लिए जाने वाले यात्रियों की फ्लाइट को लेकर भी तारीख का एलान हो सकता है।

नकवी ने बताया कि, 2 सालों बाद भारत के लोग हज यात्रा पर जाएंगे, महामारी को देखते हुए तमाम तरीके की चुनौतीयां रही और सऊदी अरब सरकार ने कदम उठाया है। सभी ने उसका सम्मान करते हुए हज पर नहीं गए, इस बार हज 2022 को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई है। इस बार 10 एम्बारकेशन प्वाइंट से आजमीन जाएंगे। भारत का हज कोटा इस बार करीब 80 हजार रहेगा। इसको लेकर हाइजीन का ध्यान भी रखा जा रहा है, लोगों की हज के दौरान सेहत अच्छी और सुरक्षित रहे, इसकी भी पूरी व्यवस्था की गई है। हज इस्लामी तीर्थयात्रा है। मुस्लिम समुदाय के लोगों के लिए यह पवित्र स्थान है। यहां विश्व के सभी देशों से मुस्लिम पहुंचते हैं। यह तीर्थयात्रा इस्लामी कैलेंडर के 12वें और अंतिम महीने की 8वीं से 12वीं तारीख तक की जाती है। जानकारी के अनुसार, हज 2022 को लेकर अधिकारियों ने सभी तैयारियों को पूरा कर लिया है और यह तैयारियां अपने अंतिम चरण पर पहुंच चुकी हैं। कुल 79,237 हज यात्रियों में से 56,601 भारतीय हज समिति के माध्यम से जाएंगे तो वहीं अन्य निजी टूर ऑपरेटर के जरिए जा सकेंगे। मुख्तार अब्बास नकवी के मुताबिक, हज 2022 के लिए 21 की जगह 10 इम्बार्केशन पॉइंट्स तय किये गए हैं जिनमें अहमदाबाद, बेंगलुरु, कोच्चि, दिल्ली, गौहाटी, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई और श्रीनगर शामिल हैं।

वहीं दिल्ली इम्बार्केशन पॉइंट से दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़, उत्तराखंड, पश्चिम उत्तर प्रदेश और राजस्थान के हज यात्री जा सकेंगे। इसके अलावा लखनऊ इम्बार्केशन पॉइंट से पश्चिम उत्तर प्रदेश को छोड़ कर समस्त उत्तर प्रदेश के हज यात्री, मुंबई इम्बार्केशन पॉइंट से महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, दमन एवं दीव, दादरा एवं नगर हवेली और गोवा के हज यात्री और श्रीनगर इम्बार्केशन पॉइंट से जम्मू, कश्मीर, लेह-लदाख-कारगिल के हज यात्री जा सकेंगे। हज यात्रा पर जाने वालों के लिए 22 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन का वक्त था। दरअसल आखिरी हज यात्रा वर्ष 2019 में हुई थी, तब देशभर से करीब दो लाख लोग गए थे। कोरोना के कारण 2020 में यात्रा रद्द हो गई और पिछले साल भी हज यात्रा के लिए आवेदन आए थे, लेकिन सऊदी अरब सरकार ने यात्रा की अनुमति नहीं दी थी जिससे यात्रा नहीं हो सकी।

किसानों के लाभ के लिए पेशेवर कृषि जरूरीः नरेंद्र सिंह तोमर

नयी दिल्ली। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि परंपरागत कृषि को प्रोफेशनल एग्रीकल्चर में बदलने की जरूरत है, जिससे कि किसानों की आमदनी, उत्पादन और उत्पादकता बढ़े, उत्पादों की गुणवत्ता और निर्यात में भी वृद्धि हो तथा सभी संभावनाओं का दोहन किया जा सकें।

श्री तोमर ने शुक्रवार को ह्यकृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकीः चुनौतियां व संभावनाएंह्ण, विषय को लेकर झांसी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का वर्चुअल शुभारंभ करते हुए यह बात कही। रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी में हो रहे इस सम्मेलन में उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राएं कृषि वैज्ञानिकों के साथ चर्चा करके उनके अनुभवों का लाभ उठाएं और पाठ्यक्रमों की पढ़ाई के अलावा गांवों को गोद लेकर व्यावहारिक अनुभव भी हासिल करते हुए प्रयोगधर्मी बनें ताकि देश में कृषि के समुचित विकास में उनका योगदान हो सकें। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों के साथ ही राज्य कृषि विश्वविद्यालयों को भी हरसंभव मदद कर रही है। कृषि शिक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाया जा रहा है। सरकार ने कृषि क्षेत्र को तकनीक का समर्थन दिया है, वहीं डिजिटल एग्रीकल्चर के लिए मिशन मोड पर काम किया जा रहा है। इस कार्य में पढ़े-लिखे युवाओं की महती भूमिका है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, 10 हजार नए एफपीओ बनाने तथा डेढ़ लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के पैकेजों के माध्यम से सरकार कृषि क्षेत्र को मजबूती दे रही है।

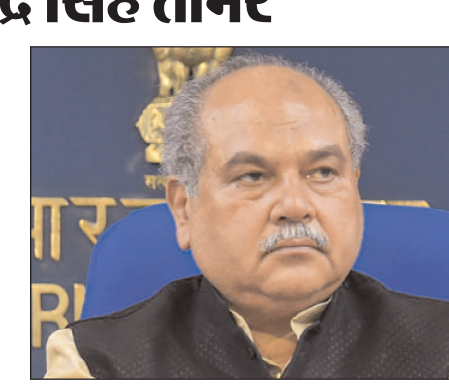

पीएमओ से पुनः गुहार के बाद एक्शन में आया जिला प्रशासन

उपजिलाधिकारी लोनी ने किया बन्द रेलवे फाटक का निरीक्षण

जल्द समस्या समाधान का दिया आश्वासन, स्थानीय लोगों में जगी उम्मीद व उनके बीच खुशी का माहौल

गौरव राय

लोनी। स्थाई रूप से बन्द रेलवे फाटक की जनसमस्या के चलते रास्ते की माँग अब और तेज हो गई है, साँसद व केंद्रीय मंत्री वी.के सिंह, राज्यसभा साँसद रामचंद्र जांगड़ा एवं रेलमंत्री भारत सरकार के बाद अब यह मुद्दा एक बार पुनः पीएमओ पहुँच गया है जिसके बाद जिला प्रशासन आया एक्शन में व शुक्रवार करीब 4 बजे उपजिलाधिकारी लोनी संतोष कुमार राय ने किया रेलवे बंद फाटक का निरीक्षण व लिया उक्त स्थान का जायजा एवं स्थानीय निवासियों से बात कर इस जनसमस्या की संभावित निराकरण के मुद्दे पर की चर्चा।

जैसा कि दिन प्रतिदिन लोनी बेहटा स्टेशन के समीप स्थाई रूप से बंद रेलवे फाटक की जनसमस्या समाधान का मामला तूल पकड़ता जा रहा है व जिस प्रकार स्थानीय निवासियों ने अब इस जनसमस्या से पूर्ण रूप से निजात पाने का अपना पूरा मन बनाकर रास्ते की माँग को जोर शोर से उठा रहे हैं, पुरजोर कोशिश कर रहे हैं, के क्रम में स्थानीय लोगों को अब उम्मीद की किरण नजर आने लगी है।

उपजिलाधिकारी लोनी का कहना है कि यह वाकई एक बहुत बड़ी जनसमस्या है क्योंकि मार्ग पूर्ण रूप से बाधित है और जल्द ही इस समस्या का समाधान शासन प्रशासन की ओर से जनहित में कराया जाएगा, उपजिलाधिकारी लोनी से चर्चा के दौरान कुछ स्थानीय क्षेत्रवासियों ने अंडरपास बनवाने की बात कही तो कुछ ने फ्लाईओवर बनवाने की तो वहीं कुछ स्थानीय लोगों ने इसी स्थाई रूप से बन्द रेलवे बन्द फाटक को पुनः खुलवाकर एक सुगम मार्ग बनवाने की बात कही जिससे की यातायात का मार्ग सुनिश्चित हो सके, लोग अनावश्यक दूरी तय करने से बच सकें, सभी की बातों व मांगों को ध्यानपूर्वक सुनते हुए एसडीएम संतोष कुमार राय ने आगे शासन से बात करके इसकी

टेक्निकल जाँच कराते हुए जल्द कोई संभावित निष्कर्ष जनहित में निकलवाने की बात कही।

उनके साथ क्षेत्रीय लेखपाल किरणपाल, नगरपालिका के हेडमुहर्रिर तपसी बाबू भी आए थे एवं इस मौके पर स्थानीय वरिष्ठ पत्रकार गौरव राय जिसके नेतृत्व में इस जनसमस्या समाधान की मुहिम को चलाया जा रहा है व जो इस जनसमस्या व सामाजिक कार्य के लिए दिन रात लगे हुए हैं के सहित सभी स्थानीय निवासी मौजूद थे।

अभी हाल ही में गाजियाबाद सांसद के प्रतिनिधियों ने भी उक्त स्थान का निरीक्षण कर लिया था जायजा व दिया था जल्द समस्या समाधान का आश्वासन।

अब देखने वाली बात यह होगी कि शासन प्रशासन की ओर से कितनी जल्दी और क्या निष्कर्ष इस जनसमस्या को दूर करने के लिए निकाला जाता है व किस प्रकार यहाँ कि लाखों की आबादी इस समस्या से निजात पाती है जबकि अभी हाल ही में इस मार्ग पर सड़क के बनने का प्रस्ताव साँसद वी.के सिंह द्वारा जनहित में प्रस्तावित कराया गया है जोकि लोनी बॉर्डर से मुरादनगर तक बनना पास हुआ है लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि इस सड़क के बनने का भी फायदा तभी है जब यह बंद रेलवे फाटक की समस्या से निजात मिले स्थाई रूप से बन्द पड़े रेलवे फाटक के एक ओर से दूसरी ओर जाने का कनेक्टिविटी का कोई रास्ता तो निकले व बनाया जाए अन्यथा लोग एक तरफ से दूसरे तरफ कैसे जाएंगे जोकि वाकई एक सोचनीय विषय है।

कृषि विवि में उत्तम शोध कार्य के लिये डॉ. गौरव व डॉ. जितेंद्र को किया गया पुरस्कृत

अयोध्या, एजेंसी। कुमारगंज स्थित आचार्य नरेंद्र देव कृषि व प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा विज्ञान व पशुपालन महाविद्यालय के पशु औषधि विभाग द्वारा वेटरनरी इंटरनल और संगठन के सहयोग से दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विषय था पशु चिकित्सा में नवाचार वर्तमान परिवेश और भविष्य।

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि मथुरा पशु चिकित्सा विज्ञान व पशुपालन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. जीके सिंह थे। कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि पशुपालन में चुनौतियों पर ध्यान आकर्षित करते हुए पशु चिकित्सा में विभिन्न तकनीकियों उनकी सफलता और उन्नयन पर संगोष्ठी को विचार करने का आह्वान किया। डॉ. जीके सिंह ने पशु चिकित्सा के इतिहास को

अपनी भारतीय संस्कृति से जोड़ते हुए सुश्रुत संगीता का उल्लेख किया। वीआईपीएमएस के सचिव डॉ. अशोक कुमार ने कोणार्क (आल) में संगठन द्वारा किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए विभिन्न पुरस्कारों की घोषणा की। डॉ. गौरव, डॉ. जितेंद्र गंधार व डॉक्टर सुनील पूनिया को उत्तम शोध कार्य के लिये पुरस्कृत किया गया। डॉ. बीपी जोशी पुरस्कार से डॉ. मुकेश कुमार व डॉ. अशोक कुमार को पुरस्कृत किया गया। डॉ. नवीन कुमार, डॉ. दीपक, डॉ. अंकिता शर्मा व डॉ. विपुल ठाकुर को भी पुरस्कृत किया गया।

अधिष्ठाता डॉ. आरके जोशी ने विभिन्न प्रदेश से आए 150 प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की तरफ से स्वागत करते हुए सब के सुखद प्रवास की कामना की।

डिवाइन लाइट पब्लिक इण्टर कालेज में हुआ वार्षिक पुरस्कार वितरण

इटावा, एजेंसी। जिला के प्रतिष्ठित विद्यालय डिवाइन लाइट पब्लिक इण्टर कालेज में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह व सड़क सुरक्षा कार्यक्रम का अयोजन किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि आर टी ओ विभाग के अधिकारी आर आई श्री विवेक खरवार व विद्यालय के चैयरमैन राम नरेश ने सरस्वती माँ की वंदना व पुर्षाण व दीप प्रज्वलित कर शुभ्भारंभ किया। कार्यक्रम में आर टी ओ विभाग के गोविन्द यादव भी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में बताया की शिक्षा ही वह माध्यम है जो एक मजबूत समाज की नींव रख सकता है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रैक पर मिला युवक का शव,शिनाख्त नहीं

दिबियापुर, एजेंसी। फफूंद रेलवे स्टेशन के पश्चिमी केबिन की तरफ गपकापुर गांव के निकट एक 28 वर्षीय युवक का शव निर्वस्त्र हालत में रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला। शव दो हिस्सों में ट्रेन से कटा था लेकिन उसका दाहिना पैर भी गायब था। कुछ लोगों का अनुमान था कि हत्या कर शव को रेलवे ट्रैक पर फेंका गया है। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव का अज्ञात में पंचनाम भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। तीन दिन तक शव की शिनाख्त न होने पर 72 घंटे बाद शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा।शुक्रवार को फफूंद स्टेशन के पश्चिमी ओर गपकापुर गांव के निकट रेलवे ट्रैक पर युवक का शव पड़ा था। लोगों ने देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को रेलवे ट्रैक से हटाया। शव पर सिर्फ एक लाल बनियान के अलावा कोई वस्त्र नहीं थी। दाहिना पैर गायब था जबकि शव कमर से दो हिस्सों में कटा था। काफी मशक्कत के बाद भी पहचान नहीं हो सकी। दिबियापुर थाने के एसआई काली चरण ने बताया कि अज्ञात में पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों में हुई मारपीट, तीन घायल, एक रेफर

अयोध्या, एजेंसी। जिले के थाना पूराकलंदर अंतर्गत ग्राम सभा फिरोजपुर में गुरुवार दो पक्ष आपस में भिड़ गए। इस घटना में चार लोग अधिक चोटिल हुए हैं, जिसमें तीन को काफी चोटें आई हैं, जबकि एक की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है। जिसे लखनऊ रेफर किया गया है। कल सुबह किसी बात को लेकर दो पक्षों में विवाद होने की खबर जैसे ही स्थानीय पुलिस को मिली तो मौके पर पहुंचकर मामले को शांत कराया। बाद में हुई मारपीट में घायल दीपेंद्र सिंह की गंभीर हालत को देखते हुए उसे लखनऊ टामा सेंटर रेफर कर दिया गया है, जहां वह जिंदगी और मौत के बीच लड़ाई लड़ रहा है। घटना के बाद से गांव में काफी तनाव है। पुलिस ने अभी किसी आरोपी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है।

महिला सुरक्षा विशेष दल ने बालिकाओं एवं महिलाओं को किया जागरूक

इटावा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा महिला सुरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण हेतु जागरूकता के दृष्टिगत चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत जनपदवार गठित किए गए महिला सुरक्षा विशेष दल के क्रम में आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह के निर्देशन में थाना बढपुरा, थाना बसरेहर, थाना जसवंतनगर पर गठित महिला सुरक्षा विशेष दल द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत बाजारों, भीड़भाड़ वाले इलाकों, स्कूलों, कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों, मेलों एवं गांव में पहुंचकर बालिकाओं/छात्राओं एवं महिलाओं को महिला उत्पीड़न की रोकथाम संबंधी अधिकारों एवं महिला उत्पीड़न के संबंध में पुलिस द्वारा की जाने वाली कार्यवाही के बारे में जागरूक किया गया जिसमें महिला सुरक्षा विशेष दल ने बालिकाओं/छात्राओं एवं महिलाओं को पुलिस द्वारा चलाई जा रही हेल्पलाइन नंबर- 1090, 1076, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-181, यूपी 112 आदि के बारे में जानकारी दी गई तथा किसी भी अप्रिय घटना के बारे में संदेह होने पर उक्त नंबर या तत्काल थाना पुलिस को सूचित करने के बारे में जागरूक किया गया।

भीषण गर्मी से बचने को नहर में बच्चों का स्टंट

औरैया, एजेंसी। नदी व नहरों में स्टंट के दौरान अक्सर जान चली जाने की सूचनाएं आती रहती। इन सबसे बेफिक्र औरैया की नहर में भीषण गर्मी से बचने के लिए कई किशोर हर रोज स्टंट कर रहे हैं। नहर में पानी भी खूब है और ऊंचे पुल से ये किशोर छलांग लगा रहे हैं। ये छलांग कहीं मौत की छलाँग न हो जाए प्रशासन और किशोर के परिजन दोनों बेफिक्र हैं। गुजरने वाले लोग जरूर ये स्टंट देख हैरत में हैं। बढ़ती गर्मी से राहत पाना हर कोई चाहता है लेकिन औरैया में इन मासूम किशोरों का गर्मी से बचाव का एक अनोखा अन्दाज आपके रोंगटे खड़े कर देगा। औरैया नहर पुल से यह किशोर नहर में छलांग लगाते हुए नजर आ रहे है। नहर पुल की ऊंचाई काफी होने और नहर में पानी का तेज बहाव के चलते कभी भी हादसा हो सकता है लेकिन प्रशासन भी इस पर ध्यान नही दे रहा है। इन किशोरों के परिजन भी बेफिक्र हैं।अगर हादसा होता है तो इसका जिम्मेदार कौन होगा। हालांकि यही हाल जिले में कई जगह देखने को मिल जायेगा जहां छोटे छोटे बच्चे नहर में अपनी जिन्दगी की परवाह किये बिना छलांग लगाकर नहाते नजर आयेंगे।

नन्हे हाथों में कलम की जगह औजार

औरैया, एजेंसी। नन्हे मासूम जिनके हाथों में पेंसिल और कॉपी किताब होनी चाहिए लेकिन उनके हाथों में गाड़ियों को ठीक करने वाले रिम्स और औजार दिख रहे है। औरैया के जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए आज बालश्रम को रोकने के लिए एक अभियान चलाया,जिसमें बच्चों को बाल श्रम से मुक्ति दिलाई और उन्हें स्कूल भेजे जाने की एक मुहिम भी चलाई। यूपी के औरैया जनपद में सदर कोतवाली क्षेत्र में सरकारी अस्पताल के समीप अचानक जिला प्रशासनिक अधिकारी यानी कि नायब तहसीलदार व श्रम परिवर्तन अधिकारी के द्वारा संयुक्त छापामारी की गई छापामारी के दौरान मोटरसाइकिल रिपेयरिंग की दुकानों पर छोटे-छोटे मासूम नौनिहाल काम करते मिले जिनके हाथों में पेंसिल की जगह पर गाड़ी खोलने के रिंच व औजार थे। अधिकारियों ने संयुक्त छापामारी करते हुए मौके से तीन नौनिहालों को अपने कब्जे में लिया व उनके लिखा पढ़ी करते हुए मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा है इस दौरान नायब तहसीलदार मासूम नौनिहालों को समझाते और प्यार से स्कूल भेजने के लिए बताते देखे गए,नायब तहसीलदार के द्वारा मासूमों से कहा गया कि रोने की जरूरत नहीं है बच्चों स्कूल जाओ तुम्हारी पढ़ाई में निशुल्क करवा लूंगा, पढ़ लिख कर के देश का भविष्य रोशन करो इस तरह समझाने बुझाने से पकड़े गए बच्चों में सांत्वना भी मिली।

पहले देश की राजधानी से बढ़ाई अब प्रदेश की राजधानी तक बढ़ाएंगे कनेक्टिविटी- जनरल वी.के. सिंह

गौरव राय

गाजियाबाद। दिल्ली से मुरादाबाद हाईवे एनएच 24, एनएच 9 हो या दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे वे दोनों ही राजधानी से सार्थक यातायात के प्रमाण हैं जनरल वीके सिंह द्वारा किए गए संकल्प में यह पूर्ण हो सका है का कहना है कि भाजपा सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व के कारण वह केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में प्रदेश की राजधानी लखनऊ तक का सरल सुगम जाम मुक्त यातायात का एक और सपना पूरा होता दिखाई दे रहा है केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने जनरल साहब के आग्रह पर

गाजियाबाद से कानपुर तक ग्रीनफील्ड इकोनामिक कॉरिडोर को मंजूरी दे दी है यह कोरिडोर 380 किलोमीटर लंबा होगा और वर्ष 2025 तक तैयार हो जाएगा इसके बनने के बाद गाजियाबाद हापुड़ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बड़े हिस्से से जुड़े लोगों को यमुना एक्सप्रेस वे पर जाने की जरूरत नहीं होगी लखनऊ कानपुर एक्सप्रेसवे बनने के बाद दिल्ली से लखनऊ जाने के लिए लोगों को एक नया रास्ता मिलेगा।

संसद गाजियाबाद जनरल वीके सिंह की सिफारिश पर हापुर से कानपुर तक का एक नया इकोनामिक कॉरिडोर बनाने की घोषणा केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सितंबर 2019 में की थी उन्होंने दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे के तीसरे चरण के उद्घाटन समारोह में इसका ऐलान किया था इसके बाद बीते वर्ष दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे के चौथे चरण के उद्घाटन समारोह में हापुड़ कानपुर कोरिडोर का काम जल्द शुरू करने की बात कही थी

एनएच एआई के अधिकारियों के अनुसार यह कोरिडोर मेरठ एक्सप्रेसवे को दो जगह से कनेक्ट करते हुए बनाया जाएगा पहले डासना मसूरी के आगे गाजियाबाद की सीमा से ल्लँ9 से जोड़ते हुए निर्माण शुरू होगा इसके बाद हापुड़ में बाईपास पुराने ठल्24 बाईपास को कनेक्ट करते हुए बनाया जाएगा आगे जाकर यह दोनों कनेक्ट एक जगह मिल जाएंगे इससे फायदा यह होगा कि गाजियाबाद की ओर से आने वाले ट्रैफिक को कोल्ड और पर चढ़ने के लिए हापुड़ तक नहीं आना पड़ेगा वह मसूरी के पास से सीधे कानपुर के लिए जा सकेंगे मेरठ हापुड़ अमरोहा की तरफ से आने वाले सीधे हापुड़ बाईपास से कोरिडोर को पकड़ कर कानपुर और लखनऊ जा सकेंगे।

मिहिर भोज बालिका डिग्री कॉलेज दादरी द्वारा टेबलेट वितरण

गौरव राय, गौतमबुद्धनगर। आज मिहिर भोज बालिका डिग्री कॉलेज दादरी गौतमबुद्धनगर में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई गई योजना के अंतर्गत कॉलेज की छात्राओं को टेबलेट का वितरण किया गया, जिसमें पोस्ट ग्रेजुएट की 35 छात्राओं ने टेबलेट प्राप्त किए! मुख्य अतिथि विजेंद्र सिंह ब्लाक प्रमुख दादरी गौतम बुद्ध नगर द्वारा वितरण करवाए गए, जिसमें संजय सिंह मंडल अध्यक्ष भाजपा, राजेश भाटी सदस्य प्रबंध समिति,प्राचार्य डॉक्टर शैलजा नागर, डॉक्टर कमला सिंह,डॉक्टर सारंधा भाटी, डॉक्टर चंचल वर्मा,अमरीश नागर, पारुल भाटी,अंजू भड़ाना, उदय पाल सिंह,विजेंद्र सिंह, मंगल सिंह,ललित भाटी,सतीश भाटी,आदि ने अपना सहयोग प्रदान किया। विजेंद्र सिंह ब्लाक प्रमुख व प्राचार्या डॉक्टर शैलजा नागर ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई गई योजनाओं की प्रशंसा करते हुए योगी सरकार का आभार व्यक्त किया।

सत्कर्म के लिए दृढ़ इच्छा शक्ति संकल्प और उद्देश्य की जरूरत होती है : पंड्या

बाराबंकी, एजेंसी। देव संस्कृति विश्वविद्यालय शांतिकुंज हरिद्वार के प्रति कुलपति से डॉ. चिन्मय पंड्या शुक्रवार को यहां कहा कि सद कर्म के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति संकल्प और उद्देश्य की जरूरत होती है। लेकिन बुरे कार्यों के लिए ना तो संकल्प चाहिए और न ही इच्छा शक्ति। महाभारत का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि कौरव और पांडव एक ही गुरु के शिष्य थे एक ही गुरुकुल में पड़े लेकिन दोनों के विचार और कर्मों में भारी अंतर था। डॉ. पंड्या स्थानीय राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान पर चल रहे देव परिवार विस्तार 108 कुंडीय महायज्ञ के द्वितीय दिवस पर आयोजित युवा सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यज्ञ करके यहां से अच्छाइयों को लेकर जाएं बुराइयां यहीं छोड़कर जाए। वेद पुराण गीता से संकलित महापुरुषों के जीवन चरित्र के बारे में प्रकाश डालते हुए डॉ. पंड्या ने युवाओं को अच्छे मार्ग पर चलने के लिए लोगों को प्रेरित किया।

आर्थिक तंगी के चलते पत्नी ने खाया जहर अस्पताल में हुई मृत्यु

फफूंद, एजेंसी। थाना क्षेत्र के ग्राम जगजीवनपुर में आर्थिक तंगी के चलते पत्नी ने जहरीला पदार्थ खा लिया जिसकी सैफई अस्पताल में मृत्यु हो गई। सैफई अस्पताल में ससुरालीजनों की मारपीट के कारण पति ने भी जहरीला पदार्थ खा कर अपनी जान दे दी। अस्पताल पहुंची पुलिस ने दोनों लोगो का पंचायतनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाना क्षेत्र के ग्राम जगजीवनपुर निवासी प्रवीण दोहरे पुत्र राम हेत की शादी विगत 7 वर्ष पूर्व जनपद कानपुर देहात के थाना भोगनीपुर के गांव आमरोधा निवासी लक्ष्मी देवी पुत्री राजेश कुमार के साथ हुई थी। प्रवीण कुमार मेहनत मजदूरी करके अपने परिवार का भरण पोषण करता था। कुछ दिनों से प्रवीण को काम नहीं मिला था जिसकी वजह से वह आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। आर्थिक तंगी को लेकर घर में पत्नी से विवाद भी हो जाता था। 4 मई दिन बुधवार को पत्नी से इसी बात को लेकर विवाद हो गया तो पत्नी ने जहरीला पदार्थ खा लिया।

पति उसे तत्काल सैफई अस्पताल में लेकर गया जहां पर इलाज के दौरान गुरुवार को उसकी मृत्यु हो गई। मृत्यु की खबर ससुरालीजनों को लगते ही ससुराली जन सैफई स्थित अस्पताल में पहुंच गए जहां पर पति प्रवीण के साथ में ससुरालियों ने मारपीट कर दी। जिससे क्षुब्ध होकर प्रवीण ने भी जहरीला पदार्थ खा लिया। वहां पर मौजूद परिजनों ने प्रवीण को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान प्रवीण की भी मृत्यु हो गई। मृत्यु की खबर गांव में आते ही कोहराम मच गया गांव के हर व्यक्ति की आँखे नम थी।

अस्पताल पहुंची पुलिस ने दोनों शवों का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दोनों पक्ष से किसी ने पुलिस को तहरीर नहीं दी है।

पुलिस मुठभेड़ में उत्तराखंड से फरार 25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

हरदोई, एजेंसी। एसटीएफ मुख्यालय लखनऊ और कछौना पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में उत्तराखंड से फरार 25 हजार का इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तारी से पहले की गई घेराबंदी के दौरान उसने पुलिस जवानों की जान लेने की नियत से उन पर गोली चला दी। किसी तरह गिरफ्त आए इनामी बदमाश ने कुबूल किया कि वह अपने साथियों के साथ उत्तराखंड में चार लोगों की हत्या और लूट की वारदात को अंजाम देने के बाद से फरार चल रहा था।

बताया गया है कि गुरुवार को एसटीएफ मुख्यालय लखनऊ को खबर मिली कि कुछ शातिर बदमाश हरदोई ज़िले के कछौना इलाके किसी वारदात को अंजाम देने वाले हैं। इस पर एसटीएफ मुख्यालय लखनऊ के इंस्पेक्टर दिलीप कुमार तिवारी अपनी टीम के साथ बताए गए ठिकाने के आसपास आ कर ठहर गए।

कछौना पहुंचते ही पता चला कि कुछ शातिर कछौना-गौसगंज रोड पर किसी

वारदात को अंजाम देने के लिए इधर से निकलने वाले है। इस पर एसटीएफ इंस्पेक्टर श्री तिवारी के साथ कछौना कोतवाली के एसएचओ संदीप सिंह, एसटीएफ एसआई संतोष कुमार व मनोज कुमार पाण्डेय,हेड कांस्टेबिल एसटीएफ अंजनि यादव, संतोष कुमार व चन्द्रभान, कछौना के हेड कांस्टेबिल रामबरन यादव व कांस्टेबिल हर्षेन्द्र बहादुर सिंह के साथ कछौना चौराहे के पास इण्डिया 1- एटीएम वाली गली में एक युवक की घेराबंदी कर दी।

उस युवक ने पुलिस जवानों के ऊपर गोली चला दी। इसी बीच एसटीएफ के एसआई मनोज कुमार पाण्डेय ने भी अपना बचाव करते हुए फायर करते हुए उस युवक को दबोच लिया। पुलिस गिरफ्त में आए युवक ने अपना नाम सचिन सक्सेना बेटा राज कुमार निवासी शिव कालोनी नवगवां ढग्गू थाना खटीमा ज़िला ऊधम सिंह नगर बताया। जामा तलाशी के दौरान उसके पास से देशी पिस्टल व कारतूस बरामद किए गए। सचिन सक्सेना ने पूछताछ में बताया कि उसने 29 दिसंबर 2021 को उत्तराखंड के नानकमत्ता इलाके में अजय उर्फ अंकित रस्तोगी, उदित रस्तोगी और दो महिलाओं की हत्या कर 40 हजार की लूट को अंजाम देने के बाद से फरार था। जबकि उसके तीनों साथी रानू रस्तोगी निवासी नानकमत्ता और रूद्रपुर के विवेक वर्मा व मुकेश शर्मा उर्फ राहुल पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। उत्तराखंड पुलिस ने उसके ऊपर 25 हजार का इनामी रखा था। एसपी राजेश द्विवेदी ने हरदोई पुलिस और एसटीएफ मुख्यालय लखनऊ की टीम की हिम्मत और हौसले को सेल्यूट किया है।

बहाने से की थी गला काट कर हत्या

पूछताछ के दौरान सचिन सक्सेना ने बताया कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर 29 दिसंबर 2021 को सिद्धा नवदिया नानकमत्ता इलाके की देवहा नदी के किनारे ज्वैलर्स अजय उर्फ अंकित रस्तोगी, उदित रस्तोगी और उनके घर की दो महिलाओं की गला काट कर हत्या और 40 हजार की लूट को अंजाम दिया था। लॉकर तोड़ने की कोशिश की, लेकिन हड़बड़ाहट में कोशिश नाकाम रही।

लखनऊ में भी दर्ज है मामले

उत्तराखंड से फरार हुए इनामी बदमाश सचिन सक्सेना ने बताया कि 2016 में लखनऊ पुलिस ने उसे गैंगस्टर एक्ट के तहत जेल भेजा था। 2015 में तालकटोरा इलाके में मामला दर्ज किया गया। 2019 में लखनऊ के कृष्णा नगर में संगीन मामले दर्ज किए गए थे।

कहां देना चाहता था वारदात को अंजाम?

पुलिस से हुई पूछताछ में सचिन सक्सेना ने बताया कि उत्तराखंड से भागने के बाद वह यहां अपना ठिकाना बनाना चाहता था। उसने बताया कि वह लूट के इरादे से ही कछौना इलाके में दाखिल हुआ। वह कुछ करता इससे पहले ही उसे एसटीएफ की टीम और कछौना पुलिस ने दबोच लिया।

पंजाब पुलिस ने भाजपा की दिल्ली इकाई के प्रवक्ता तेजिंदर बग्गा को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली/चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि उसने मोहाली में दर्ज एक मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के प्रवक्ता तेजिंदर पाल सिंह बग्गा को राष्ट्रीय राजधानी में उनके आवास से गिरफ्तार किया है। हालांकि, बग्गा को दिल्ली से मोहाली ले जा रहे पंजाब पुलिस के वाहनों को हरियाणा के कुरुक्षेत्र में रोक दिया गया। सूत्रों ने कहा कि हरियाणा पुलिस के अधिकारी कुछ मुद्दों को लेकर पंजाब पुलिस के अपने समकक्ष अधिकारियों से बात कर रहे हैं। हरियाणा पुलिस की ओर से इस संबंध में अब तक कोई टिप्पणी नहीं की गयी है।

दरअसल, बग्गा सोशल मीडिया पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ काफी मुखर रहे हैं। बग्गा ने कुछ समय पहले ह्वद कश्मीर फाइल्सह्व फिल्म को लेकर केजरीवाल के खिलाफ ट्वीट कर उनकी आलोचना की थी, जिसके बाद से वह आम आदमी पार्टी (आप) के निशाने पर आ गए थे। उधर, बग्गा की गिरफ्तारी को लेकर भाजपा और आप के नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप के बीच दिल्ली पुलिस ने बग्गा के पिता की शिकायत के आधार पर जनकपुरी थाने में उनके (बग्गा के) अपहरण का मामला दर्ज किया है। बग्गा के पिता ने शिकायत की कि शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे कुछ लोग उनके घर आए और उनके बेटे को ले गए।

पंजाब पुलिस ने एक बयान जारी कर कहा कि, बग्गा को पंजाब ले जाया जा रहा है, जहां उन्हें एक अदालत में पेश किया जाएगा। पंजाब पुलिस ने दावा किया कि पांच नोटिस भेजे जाने के बावजूद बग्गा (36) जांच में शामिल नहीं हुए थे, जिसके बाद उन्हे कानून की उचित प्रक्रिया के बाद सुबह उनके घर से गिरफ्तार किया गया। गौरतलब है कि पंजाब पुलिस ने भड़काऊ बयान देने, शत्रुता को बढ़ावा देने और आपराधिक धमकी देने के आरोप में बग्गा के खिलाफ पिछले महीने मामला दर्ज किया था। पुलिस ने मोहाली में रहने वाले आप नेता सन्नी अहलूवालिया की शिकायत के आधार पर बग्गा के खिलाफ यह मामला दर्ज किया था।

बग्गा की गिरफ्तारी जायज : आप

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) का कहना है कि पंजाब पुलिस की ओर से तेजिंदर पाल सिंह बग्गा की गिरफ्तारी जायज है। बग्गा अभद्र भाषा बोलते हैं। उन्होंने आप नेताओं सहित सुप्रीम कोर्ट के एक प्रतिष्ठित वकील को अपमानित किया था और वह अपने सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार नफरत फैलाते रहे हैं। आप प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने शुक्रवार को एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि बग्गा अपने सोशल मीडिया के माध्यम से समाज में नफरत फैलाने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि बग्गा ने पंजाब में भी हिंसा फैलाने की कोशिश की थी। जिसके बाद उनपर एफआईआर दर्ज हुआ था। पंजाब पुलिस ने जांच के लिए उन्हें दो बार सम्मन भी भेजा था। जब वह नहीं पहुंचे तो मजबूरन पंजाब पुलिस को गिरफ्तार करना पड़ा।

देश के लिए शर्म का विषय है कि केंद्र सरकार की नाकामियों के चलते वक्त रहते हम अपने देश के नागरिकों को नहीं बचा पाए: श्रीनिवास बी वी

नई दिल्ली। WHO के मुताबिक- भारत में कोरोना से दुनिया में सबसे ज्यादा लोगों की जान गयी, देश में 47,00,000 से अधिक लोगों की जान गंवानी पड़ी। मोदी सरकार के दिए आंकड़ों से 10 गुना ज्यादा है ये आकड़े। इस पर भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी ने कहा कि मदद तो दूर, मौत पर भी झूठ बोलने वाली सरकार देश ने पहली बार ही देखी है। भाजपा सरकार को जनता की नहीं बल्कि सिर्फ अपनी सत्ता की फिक्र है। यही कारण है कि भारत स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में पिछड़ रहा है। भाजपा सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार करने में विफल रही है।

भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी ने यह भी कहा कि भाजपा सरकार के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बदतर हुई है। वर्ष 2020 में 72% मौतें अस्पताल के बाहर हुई हैं, ये आंकड़ा भाजपा सरकार में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति को बयां करने के लिए काफी है। ऐसे समय में स्वास्थ्य

देखभाल के कुप्रबंधन की भयावहता की कल्पना करें, जब लाखों मौतें का कोई रिकॉर्ड ही नहीं है। उन्होंने यह भी कहा की जब ऑक्सीजन के अभाव में लोगों की मृत्यु हुई तो उन्होंने परवाह नहीं की। जब दंगों में लोग मारे गए तो उन्हें परवाह नहीं थी। जब लोग भूख से मरे तो उन्हें परवाह नहीं थी, क्या यही है अच्छे दिनों वाली सरकार? 'अच्छे दिनों' का सपना दिखाकर नागरिकों की बबार्दी वाले दिन दिखाए जा रहे हैं। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी ने कहा कि कोरोना महामारी से 47 लाख लोगो की मौत हुई है, न की 4.8 लाख लोगो की जैसा की सरकार ने दावा किया था। इस परिस्थिति में जिन परिवारों ने अपनो को खोया है उनका सम्मान होना चाहिए और उन्हें 4 लाख रुपए का मुआवजा उनकी मदद के लिए उपलब्ध करवाया जाना चाहिए। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी और एआईसीसी सह सचिव श्री कृष्णा अल्लावारु जी ने कहा कि कोरोना मृतकों की संख्या का मोदी सरकार का आकलन झूठ की परकाष्ठा है। WHO की रिपोर्ट ने भारत सरकार के झूठ की सारी पोल खोल कर रख दी है। उन्होंने यह भी कहा की केंद्र सरकार अपना फर्ज निभाए और हर पीड़ित परिवार को 4 लाख का मुआवजा उनकी मदद के लिए उपलब्ध करवाए।

14 साल की किशोरी को बंधक बना कर बनाया हवस का शिकार

सुषमा रानी

नई दिल्ली। जामा मस्जिद इलाके में होटल में 14 वर्षीय किशोरी को बंधक बना कर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोपी ने किशोरी को होटल में काफी देर तक बंधक बनाए रखा। सरोजनी नगर थाना पुलिस ने फुर्ती दिखाते हुए किशोरी को करीब पांच घंटे में आरोपी के चुंगल से मुक्त करा लिया। पुलिस ने पोक्सो, दुष्कर्म व बंधक बनाने आदि धाराओं में मामला दर्जकर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। मेडिकल जांच में किशोरी के साथ दुष्कर्म की पुष्टि हो गई है। दक्षिण-पश्चिमी जिला डीसीपी मनोज सी ने किशोरी को पांच घंटे में मुक्त कराने की जानकारी ट्वीट कर दी।

दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार पीड़ित किशोरी सरोजनी नगर में रहती है। आरोपी युवक मो. वाहिद आलम किशोरी के मोहल्ले में रहता है। आरोपी मो. वाहिद आलम शादीशुदा है और उसके दो बच्चे हैं। वह किशोरी को कई दिनों से शादी करने का झांसा दे रहा था। वह तीन अप्रैल को शाम करीब पांच बजे किशोरी को जामा मस्जिद इलाके में ले गया। आरोपी ने होटल में किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। किशोरी के गायब होने पर उसके परिजनों ने तीन अप्रैल को रात करीब 10 बजे सरोजनी नगर थानाध्यक्ष देवेंद्र कौशिक को शिकायत दी।

सरोजनी नगर थाना पुलिस ने मामला दर्जकर आरोपी का मोबाइल नंबर सर्विलांस पर लिया। आरोपी की लोकेशन जामा मस्जिद इलाके में मिली। थानाध्यक्ष देवेंद्र कौशिक की देखरेख में एसआई शिक्षित की टीम ने यहां पहुंचकर करीब 30 से ज्यादा होटलों में तलाशी अभियान चलाया। इसके बाद पुलिस ने चार अप्रैल की तड़के एक होटल से किशोरी को मुक्त करा लिया।

केजरीवाल ईस्ट इंडिया कंपनी की तरह लोगों को लूटते और उन्हें बदनाम करते हैं- मनजिंदर सिंह सिरसा

सुषमा रानी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल का असली चेहरा सबके सामने आ चुका है। केजरीवाल के खिलाफ बोलने वाले सिर्फ भाजपा कार्यकर्ता ही नहीं बल्कि अन्य राजनीतिक दल एवं स्वतंत्र विचार रखने वालें राष्ट्रवादी लोगों के घर भी नोटिस भेजा जा रहा है। उनके ऊपर पंजाब पुलिस कार्रवाई करने पहुंच जाती है। जिस तरह से बिना दिल्ली पुलिस को सूचित किए श्री तजिंदर पाल सिंह बग्गा को गिरफ्तार किया और उनके पिता के साथ मारपीट की, उनके साथ बदसलूकी की गई, वह बेहद शर्मनाक है।

श्री आदेश गुप्ता ने आज राष्ट्रीय कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि जिस तरह से एक हिटलर की भांति पंजाब पुलिस का दुरुपयोग केजरीवाल कर रहे हैं, अगर सोचिए उनके पास दिल्ली पुलिस होती तो वे किस तरह से गरीबों, बुजुर्गों पर लाठियां चलवाते और बदले की कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर-के जेल में भेज देते। उन्होंने कहा कि आज केजरीवाल बदले की भावना से काम कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर सवाल पूछने वालों के घर पंजाब पुलिस पहुंच जाती है। पंजाब में फैल रहे ड्रग रैकेट को पकड़ने की जगह क्या पंजाब पुलिस का इस्तेमाल अपने राजनीति विरोधियों का दमन करने के लिए किया जा रहा है।

श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि पंजाब पुलिस के पास अब वक्त नहीं है कि वह पंजाब में अलगाववादी, गैंगस्टर और देशद्रोहियों के खिलाफ कार्रवाई करें बल्कि वह केजरीवाल के हथियार के रुप में काम कर रही है। लेकिन भाजपा इससे डरने वाली नहीं है। क्योंकि भाजपा के कार्यकताओं ने इमरजेंसी भी झेली है। जनता के सवालों को भाजपा पूछती रहेगी। उन्होंने कहा कि तजिंदर पाल सिंह बग्गा के पिताजी ने पंजाब पुलिस के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी है और इसका जवाब भाजपा कार्यकर्ता केजरीवाल को जरुर देंगे।

राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमती नुपुर शर्मा ने कहा कि बग्गा की गिरफ्तारी बिल्कुल गैर कानूनी है। 2019 में दिल्ली उच्च न्यायालय ने सीआरपीसी के ऊपर एक जजमेंट दिया था जिसमें कहा गया था कि इंटर स्टेट अरेस्टिंग में बाहर से आई हुई पुलिस को लोकल पुलिस की सहायता से अरेस्ट प्रक्रिया को पूरा किया जाता है। तजिंदर पाल सिंह बग्गा को बिना किसी को सूचित किए जिस तरह से सुबह पांच बजे पंजाब के 40-50 पुलिसकर्मी उनके घर पर आकर उनके पिता के साथ हाथापाई करते हैं और फिर उनका अपहरण किया जाता है, कानून के खिलाफ है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सरदार आर पी सिंह ने कहा कि केजरीवाल ने कहा था कि गुरुग्रंथ साहिब की बेअदबी करने वालों को दो दिन में गिरफ्तार किया जाएगा, लेकिन आज एक महीने से ज्यादा का समय बीतने के बाद भी उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के कुछ स्थानों पर शुक्रवार को हल्की बारिश हुई, जिसके चलते उमस बढ़ गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि कुछ इलाकों में तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी होने की सूचना मिली है। आईएमडी के वैज्ञानिक चरण सिंह ने कहा, शहर में स्थानीय घटनाक्रम के चलते 'बहुत हल्की' से 'हल्की' बारिश हुई। अरब सागर या बंगाल की खाड़ी से आने वाली हवाओं के कारण थोड़ी उमस पैदा हो गई, जिसके कारण बादल बन गए और बारिश हुई है।

विभाग ने दोपहर में कहा, "उत्तरी दिल्ली, उत्तर-पूर्वी दिल्ली (बुराड़ी) के कुछ स्थानों, मॉडल टाउन, करावल नगर, लोधी रोड, सफदरजंग, आरके पुरम, हौज खास, मालवीय नगर, महरौली, छतरपुर, इग्नू, आयानगर, दक्षिण दिल्ली और एनसीआर में डेरामंडी, कोटपुतली, अलवर, पलवल, होडल, गुरुग्राम और फरीदाबाद में अगले दो घंटे के दौरान गरज के साथ हल्की बारिश होने और 30-40 कि.मी. प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है। विभाग ने सुबह के समय राजधानी में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान जताया था। आईएमडी के अधिकारी ने कहा कि अगले तीन दिन में 'लू' चलने के बारे में कोई पूवार्नुमान नहीं हैं।

दिल्ली में कोविड से मौत का ऐसा कोई मामला नहीं जिसकी गिनती नहीं हुई हो : जैन

केवडिया (गुजरात)/नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोविड से मौत का ऐसा कोई मामला नहीं जिसकी गिनती नहीं की गई हो। जैन का यह बयान ऐसे समय में आया है जब एक दिन पहले ही विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत में इस वायरस के कारण 47 लाख लोगों की मौत होने का अनुमान व्यक्त किया था। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा आयोजित स्वास्थ्य चिंतन शिविर में हिस्सा लेने आए जैन ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी (दिल्ली सरकार) की ओर से केंद्र को दिया गया कोविड से मौत का आंकड़ा प्रमाणिक और सही है। जैन ने कहा, मैं पूरे देश या अन्य राज्यों के आंकड़ों के बारे में टिप्पणी नहीं कर सकता लेकिन राष्ट्रीय राजधानी में कोविड से मौत का ऐसा कोई आंकड़ा नहीं जिसकी गिनती नहीं हुई हो। उन्होंने कहा, हमने ना तो एक मौत अधिक की गिनती की और एक मौत कम गिनी। दिल्ली देश की राजधानी है और क्या यह संभव है कि यहां किसी की कोविड के कारण मौत हुई हो और मृत्यु प्रमाणपत्र नहीं मिला हो? जैन ने कहा कि आंकड़ा एकत्र करने एवं मृत्यु की संख्या की गिनती में शत प्रतिशत पारदर्शिता रखी गई है। डब्ल्यूएचओ ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले दो वर्षों में लगभग 1.5 करोड़ लोगों ने कोरोना वायरस से या स्वास्थ्य प्रणालियों पर पड़े इसके प्रभाव के कारण जान गंवाई।

कुरुक्षेत्र से भाजपा नेता बग्गा को अपने साथ लेकर राष्ट्रीय राजधानी रवाना हुई दिल्ली पुलिस

चंडीगढ़/नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की एक टीम ने 'बेहद नाटकीय घटनाक्रम' में कुरुक्षेत्र में भाजपा नेता तेजिंदर पाल सिंह बग्गा को पंजाब पुलिस से अपने संरक्षण में ले लिया। पंजाब पुलिस ने बग्गा को शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में उनके घर से गिरफ्तार किया था। पंजाब पुलिस की टीम को कुरुक्षेत्र के पीपली में रोका गया था। हरियाणा पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि उन्हें बताया गया कि बग्गा को उनके आवास से जबरन उठाया गया था। कुरुक्षेत्र के एक पुलिस अधिकारी ने फोन पर बताया कि दिल्ली पुलिस की एक टीम कुरुक्षेत्र पहुंची और बग्गा को अपने साथ लेकर राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना हो गई। इससे पहले, दिन में दिल्ली पुलिस ने भाजपा नेता की गिरफ्तारी के बाद उनके अपहरण का मामला दर्ज किया था। दूसरी ओर, पंजाब सरकार ने कुरुक्षेत्र में अपनी टीम को हिरासत में लिए जाने और उसके बाद के घटनाक्रम के खिलाफ यहां उच्च न्यायालय का रुख किया। पिछले महीने आम आदमी पार्टी (आप) के मोहाली निवासी नेता सनी अहलूवालिया की शिकायत पर पंजाब पुलिस ने भड़काऊ बयान, वैमनस्य को बढ़ावा और आपराधिक धमकी देने के आरोप में बग्गा के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

योग करने से 92 फीसदी संक्रमितों को कोरोना से उबरने में मिली मदद

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार की होम-आइसोलेशन कर रहे कोरोना संक्रमितों के लिए 'दिल्ली की योगशाला' कार्यक्रम के तहत शुरू की गई ऑनलाइन योग कक्षाएं सफल रहीं और 4600 से ज्यादा संक्रमितों को इसका लाभ हुआ तथा 92.3 प्रतिशत लोगों ने माना कि संक्रमण के दौरान योग करने से उन्हें स्वास्थ्य में सुधार हुआ। दिल्ली के उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को यहां कहा कि दिल्ली की योगशाला कार्यक्रम, केजरीवाल सरकार की दिल्ली की जनता को योग के माध्यम से स्वस्थ रखने की एक अनूठी पहल है। उन्होंने कहा कि यह बेहद खुशी की बात है कि जिस उद्देश्य के तहत 'दिल्ली की योगशाला' कार्यक्रम की शुरूआत की गई थी, वह पूरा हो रहा है और लोगों को इसका फायदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत कोरोना के दौरान संक्रमितों को फ्री ऑनलाइन योग कक्षाएं उपलब्ध करवाई गईं जिससे न केवल उन्हें कोरोना संक्रमण से उबरने में मदद मिली बल्कि उनके खांसी, सर्दी, शरीर में दर्द, सांस फूलना आदि तकलीफों से भी राहत मिली। दिल्ली सरकार की इस मुफ्त योग कक्षाओं से संक्रमितों को हुए वास्तविक फायदे की जाँच करने के लिए दिल्ली फर्मास्यूटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी की ओर से एक शोध किया गया जिसके शानदार नतीजे देखने को मिले।

भाजपा और आम आदमी पार्टी की सरकारें सत्ता ताकत का प्रदर्शन करके पुलिस का दुरुपयोग कर रही है - चौ0 अनिल कुमार

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि भाजपा और आम आदमी पार्टी दोनों सरकारें पुलिस का दुरुपयोग कर बदले और प्रतिशोध की राजनीति कर रही हैं। यह पहले ही स्पष्ट हो गया था जब पंजाब पुलिस ने दिल्ली में कांग्रेस नेता सुश्री अलका लांबा और गाजियाबाद में कवि डॉ कुमार विश्वास के दरवाजे पर दस्तक दिये थे, और भाजपा शासित असम सरकार ने गुजरात के विधायक दलित नेता श्री जिग्नेश मेवाणी को राजनीतिक टिप्पणी करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक देश में तानाशाह सरकारें अपना अधिपत्य और प्रशासनिक ताकत का बदले की भावना से प्रयोग कर रही है।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली में पंजाब पुलिस द्वारा भाजपा के तेजिंदर पाल बग्गा की गिरफ्तारी भाजपा की असहिष्णुता और आम आदमी पार्टी की सरकार के ह्वपुलिस राजह्व का बरबर उदाहरण है, दोनो विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए कठोर कदम उठाने में कोई चूकर नही कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली कांग्रेस नफरत फैलाने वालों और मोंगा जैसी सांप्रदायिक बढ़ाने वाली को भड़काने वालों का समर्थन नहीं करेगी।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि यह चौंकाने वाला है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद के कहने पर पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार गंभीर मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करने के बजाय प्रतिशोध की राजनीति कर रही है, जबकि दिल्ली भाजपा अध्यक्ष संदेहजनक प्रवृति के बग्गा को जमानत देने के लिए दिल्ली पुलिस पर दबाव बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति सामाजिक अशांति पैदा करने की कोशिश करके एक मुख्यमंत्री को धमकाता हैं तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए, परंतु यह कार्यवाही राजनीतिक रुप से बदला चुकाने वाली नही हो जबकि भाजपा और आप सरकार ठीक बदले की भावना से एक दूसरे के खिलाफ कार्यवाही कर रही है।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद, जिन्होंने पंजाब के लोगों को सब कुछ मुफ्त में देने के खोखले वायदे किए अब उन्हें अपने वायदों को पूरा करने के लिए कठिन वास्तविकता का सामना करना पड़ रहे हैं। पंजाब में केजरीवाल अपने किए गए वायदों को पूरा नहीं करने की बजाय लोगों का ध्यान भटकाने का काम कर रहे है। केजरीवाल न केवल दिल्ली में, बल्कि पंजाब के मामलों में एक अतिरिक्त-संवैधानिक प्राधिकरण के रूप में आम आदमी पार्टी के कुशासन की आलोचना करने वालों को परेशान करने और उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए उनके खिलाफ विरोधात्मक कार्यवाही कर रहे है।

भारतीय पर्वतीय महासभा का प्रतिनिधि मंडल ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मुलाकात

सुषमा रानी

नई दिल्ली। आज भारतीय पर्वतीय महासभा का केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रीय महासचिव डॉ अनुपम सिंह भंडारी के नेतृत्व में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके नई दिल्ली आवास 17, अकबर रोड में मिला। केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल के साथ दिल्ली/एनसीआर के अध्यक्ष डूंगर सिंह नेगी , दिल्ली प्रभारी सुंदर सिंह बोरा , प्रतीक सिंह बिष्ट, प्रियंका बिष्ट एवं अन्य सदस्यों ने भी रक्षा मंत्री जी के साथ शिष्टाचार मुलाकात की।

महासभा के राष्ट्रीय महासचिव ने माननीय रक्षा मंत्री एवं लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह को 14 जनवरी उत्तरायणी अवकाश हेतु समस्त पर्वतीय जनों की तरफ से धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रतिनिधिमंडल ने गौतम बुध नगर विशेषता उत्तराखंड समाज जो नोएडा एक्सटेंशन में पिछले कई वर्षों से बड़ी तादाद में निवास कर रहा है ,उनकी कुछ प्रमुख मांगे जैसे गौतम बुध नगर में एक उत्तराखंड भवन की स्थापना, ग्रेटर नोएडा वेस्ट में सरकारी अस्पताल का निर्माण एवं नोएडा एक्सटेंशन से नोएडा जाने के लिए परिवहन बस को दोबारा शुरू कराने के लिए ज्ञापन भी सौंपा।

रंजिश में अगवा कर एक घंटे तक पीटते रहे

नई दिल्ली। शाहदरा के विवेक विहार में रंजिश के चलते एक युवक ने अपने साथी के साथ एक पूर्व कर्मचारी को अगवा कर लिया। इसके बाद दोनों उसे करीब एक घंटे तक चलती कार में पीटते रहे। मौका मिलते ही कर्मचारी वहां से भाग निकला और पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों की कार भी जब्त कर ली।

पीड़ित 32 वर्षीय मो. उस्मान परिवार के साथ गीता कॉलोनी इलाके में रहते हैं। वह खाना बनाने का काम करते हैं। मो. उस्मान के अनुसार, करीब तीन साल पहले वह फर्श बाजार इलाके में विकास उर्फ विक्की के फूड स्टॉल पर खाना बनाने का काम करते थे। रात के वक्त जो खाना बच जाता था, वह अपने घर लेकर चले जाते थे। विकास को जब इसका पता चला तो उसने उनकी पिटाई कर दी। वह विकास के यहां काम छोड़कर विवेक विहार में हनी जुनेजा के यहां काम करने लगे। इसके बाद विकास उससे रंजिश रखने लगा। बुधवार रात करीब 11 बजे वह फर्श बाजार में फूड स्टॉल बंद कर रहे थे। तभी विकास अपने साथी तरुण के साथ कार से वहां पहुंचा। दोनों ने जबरन उसे अपनी कार में बैठा लिया और मारपीट करने लगे।

अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की त् ने सराहना की, - महापौर श्याम सुन्दर अग्रवाल

सुषमा रानी

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के विभिन्न रेसिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल सदस्यों ने आज निगम मुख्यालय में आकर महापौर श्याम सुन्दर अग्रवाल से मुलाकात की और अपने-अपने क्षेत्र में हो रहे अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने अतिक्रमण हटाने के लिए पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा चलाये गये मुहिम की सराहना करते हुए कहा कि अतिक्रमण एक अभिशाप है, इसके खिलाफ आप जो कार्रवाई कर रहे हैं उसकी जितनी प्रशंसा की जाए, कम

है। उन्होंने कहा कि इस अभियान में और तेजी लाये जाने की जरूरत है। गांधी नगर ट्। के अध्यक्ष श्री मुकेष स्वामी ने महापौर को प्रतिवेदन सौंपते हुए कहा कि गांधी नगर एषिया की सबसे बड़ी रेडिमेड मार्केट है। यहां सड़क 60 फुट चौड़ी है लेकिन यहां के दुकानदारों ने सभी फुटपाथ को अपने निजी लाभ के लिए अतिक्रमण कर लिया है। अतिक्रमण के उपरांत उसके आगे भी अपना स्कूटर, गाड़ियां आदि खड़ी कर देते हैं। इससे दोनों तरफ से अतिक्रमण हो जाता है। बहुत से दुकानदार अपनी दुकान के आगे रेहड़ी पटरी लगवाकर उनसे 10 से 20 हजार रुपए महीना वसूलते हैं। गांधी नगर मेन रोड की हालत यह है कि एक स्कूटर भी निकलना मुश्किल हो जाता है। जाम में एंबुलेंस फंसने के कारण कई मौतें हो चुकी हैं। उन्होंने महापौर की प्रशंसा करते हुए कहा कि आपने जो अभियान चलाया हुआ है उसके माध्यम से यहां से तुरन्त अतिक्रमण हटवाया जाए और दोषी दुकानदारों का सामान उठाकर जब्त किया जाए, उसे वापस न किया जाए ताकि वहां पुनः अतिक्रमण न हो।

संपादकीय

आप बनने की कोशिश

चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर के बिहार में अपनी पार्टी शुरू करने के फैसले से राजनीतिक पंडितों को खास हैरानी नहीं हुई है। वह पिछले काफी समय से अपने गृह नगर को लेकर विचार कर रहे थे। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब बिहार में राजनीतिक घटनाक्रम तेज हैं। मालूम हो कि किशोर सासाराम में पैदा हुए थे। किशोर ने जन स्वराज की घोषणा ऐसे समय में की है जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर अस्तित्व के संकट का सामना कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी की आधिकारिक स्थिति यह है कि राज्य में मुख्यमंत्री पद के परिवर्तन का कोई सवाल ही नहीं है। 74 सीटों के साथ भाजपा विधायिका में सबसे बड़ी पार्टी है, जनता दल यूनाइटेड के पास 43 सीटें हैं। नीतीश को दिल्ली भेजने का ऑप्शन भी नहीं दिखता है। भाजपा में कई लोग निजी तौर पर इस बारे में बात करते हैं कि कैसे 2020 के चुनावों के बाद, यह महसूस किया गया कि सत्ता में भाजपा की अधिक चलेगी, लेकिन मुख्यमंत्री कार्यालय सभी को नियंत्रित करता दिखता है। इसे लेकर राज्य के भाजपा नेताओं और कुछ मंत्रियों में नाराजगी है। प्रशांत किशोर बिहार में आप बनने की कोशिश कर रहे हैं। वह जानते हैं कि लोग कुछ विकल्प चाहते हैं। जनता दल में 35 फीसदी वोट शेयर है जबकि नीतीश कुमार के पास 15 फीसदी और शेष 15 फीसदी कांग्रेस और वामपंथी पार्टियों जैसे अन्य दलों के पास है। बिहार में सत्ता में रहने के लिए दो समूहों का एक साथ होना जरूरी है। 2015 में नीतीश और राजद एक साथ आए थे और अब यहां दो अन्य एक साथ हैं। जब तक कोई दूसरा विकल्प न हो, वे साथ रहेंगे। किशोर अपने गृह राज्य में इस बदलाव के एजेंट बनने की उम्मीद कर रहे होंगे। जबकि उन्होंने नई आप होने के इस सिद्धांत को खारिज कर दिया और आगे टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) को पार्टी के समर्थन पर जेडीयू से अलग होने के बाद एक पहल की घोषणा की। वह दो साल पहले (महामारी से ठीक पहले) था, और उस समय उन्होंने राज्य में समान विचारधारा वाले लोगों को आकर्षित करने की अपनी पहल के बारे में बात की। पीके ने दावा किया कि वह एक आंदोलन में एक लाख लोगों को नामांकित कर सकते हैं, लेकिन वह पहल ठप हो गई। भाजपा किशोर को गंभीरता से ले रही है। भाजपा लीडर ने कहा कि किशोर ब्राह्मण नेता होने के नाते उनके वोटों को काट सकते हैं। चूंकि आम आदमी पार्टी पंजाब में स्थापित पार्टियों को हराने में सफल रही थी, ऐसे में बिहार में भी ऐसे ही हालात पैदा होंगे, इस पर भी सवाल उठ रहे हैं। किशोर ने इस साल की शुरूआत में नीतीश कुमार से मुलाकात की थी। यह स्पष्ट है कि दोनों के बीच एक खुला चैनल है। इसे नकारा नहीं जा सकता है। प्रशांत किशोर के करीबी सूत्र बताते हैं कि चुनावी रणनीतिकार को उस समय भी लगा कि उन्हें धोखा दिया गया है, जब नीतीश कुमार सरकार को रिपोर्ट करने वाली पटना पुलिस ने साल 2020 में उनके खिलाफ कंटेंट चोरी के आरोपों को साबित करने के लिए प्रयास किए। साल 2018 में जब कुमार और भाजपा के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा था, तब किशोर, नीतीश कुमार की ओर से राजद नेता लालू प्रसाद यादव के पास पहुंचे थे। लेकिन भाजपा नेतृत्व की तरफ से कमान संभालने का भरोसा मिलने के बाद सीएम ने अपने विचार बदल लिए थे। सोमवार को पीके ने एक ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने बिहार से शुरूआत की बात कही थी। इसके बाद से ही अटकलें लगने लगी थी कि किशोर अपनी पार्टी शुरू करने जा रहे हैं। इससे पहले पीके और कांग्रेस के बीच भी चचाओं का लंबा दौर चला, लेकिन अंत में बैठकें सफल नहीं हुई और किशोर ने पार्टी में शामिल होने का ऑफर ठुकरा दिया। इस बात की जानकारी चुनावी रणनीतिकार ने खुद ट्वीट के जरिए दी थी।

चौराहे पर रुके हुए हैं लोग

-सुरेश सेठ-

हमें लगता है समझ के चौराहे पर भ्रमित लोगों का रुके रहना ही जैसे नियति बन गया है। पौन सदी के अनथक प्रयास के बावजूद अगर देश आज भी अपनी विकास यात्रा को अवरुद्ध पाता है तो क्या इसका कारण एक अनचाही महामारी के प्रकोप में तलाशा जाए या उससे पैदा हो गई उस निरुपाय दहशत में जिसने तरक्की के दावों को भूख और बेकारी का आइना दिखा दिया। स्पष्ट है कि इस निरुपित चेहरे को देख लेने के बाद उसे संवारने के अभियान की शुरूआत होनी चाहिए, लेकिन यह शुरूआत ह्यमैं इधर जाऊं या उधर जाऊं के दोराहे पर क्यों ठिठकी नजङ्ग आती है? रोग के आतंक से पैदा निष्क्रियता के इस आलम में गांवों से उखड़ कर आए नौजवानों के रोजी-रोटी के वसीले की जड़ें महानगरों या विदेशी धरती की चकाचौंध से उखड़ गईं। वे सब अपनी लुटिया डोरी लेकर अपनी धरती अपने मूलस्थान की ओर चल दिए। वहां तोरणद्वार सजे थे, ह्यजो आएगा उसका स्वागत है, क्योंकि देश को फिर एक कृषक देश कहलाना है लेकिन बस तोरण द्वार, उसके पीछे था एक गहराता शून्य, एक फर्जी मनरेगा और खैराती कर्जे का भेडिया धसान! वहां रुके जीर्ण शीर्ण धरती पुत्रों ने उन्हें कहा, ह्यआओ, जैसे हम जी रहे हैं, तुम भी हमारे साथ जीना सीख लोगे। जैस-तैसे यह उमरिया बीत जाएगी। आधी सदी पहले आई एक देसी फिल्म में गीत सुना था, ह्यउमरिया बीती जाए रे। गीत तो उन खेतों की मेढ़ों पर ठिठक कर जैसे आज भी पूछता है, हालात तो वैसे ही हैं जैसे कभी हमें छोड़ कर गए थे। अब रहोगे कि फिर वापस जाओगे। रोटी का ठिकाना न यहां है न वहां है। लोटा, थैला उठाए फिर उसी समझ के दोराहे पर खड़े हैं, सोचते रुकें कि जाएं? बरसों से यही हो रहा है। अनिश्चय का कुहासा फैला है। कौन आ रहा है, कौन जा रहा है, कुछ पता नहीं चलता। ये शहर से उखड़ कर आए लौटने लगे या कि नए पलायन कत्राओं की जमात खड़ी हो गई। भरपेट रोटी, टूटती नींद और रुआंसी हिचकियां यहां भी हैं, वहां भी हैं, बस बीच-बीच में नए नारों, नई घोषणाओं की कन्दीलें अवश्य जला दी जाती हैं। लोग छटपटा कर नई जिंदगी की उपलब्धियां तलाशते हैं। पता चलता है कि नई तो क्या पुरानी भी नहीं रही। एक से पांच एकड़ से छोटे भूखंडों में दिन-रात खटने वाला किसान अपनी छह माह की मेहनत भरी फसल लेकर कहां जाए? छोटे और भटके हुए किसान की नियति तो वही रही, मण्डी के चौराहे पर फंदा लेकर आत्महत्या कर लेना, लेकिन अब क्या दो मण्डियों के चौराहे पर फंदा लेना होगा? फंदा लेने के बाद भी उन्हें न मर सकने, जान न निकल सकने की नियति झेलनी होगी। भूल जाओ, धुंध भरी समझ के इस चौराहे पर अपने लिए कोई नया रास्ता लेने की बात। लेकिन रास्ते की तलाश तो बढ़ते हुए कुहासे में खो रही है, क्यों हर बार लगता है कि यहां हर सवाल जो गन्दम के बारे में किया जाता है, उसका जवाब चना होता है? करोड़ों लोगों का सवाल था, हमारी गलियों और बाजारों में महामारी से मौत होने की धमक का भय कब कम होगा? उपचार के लिए सही दवा कब आएगी? जवाब में उम्मीद भरी खबरें मिलीं, सामाजिक अन्तर रखने का पगाम मिला और अपने चेहरों पर मास्क लगाए रखने की सुरक्षा लो। लेकिन कब तक? आज चौराहे पर ऐसे प्रश्न निरुत्तर ठिठके हैं। इन सवालों पर दूसरे सवाल हावी हो गए। पेट में उठती हूक से ये सवाल लज्जित हो पीछे क्यों हट गए? टीआरपी का शोर-शराबा कुछ ऐसा उठा कि मौत के संक्रमण से डरे हुए लोगों धौंकनी सांस उसमें डूब गई।

TITLE CODE:-DELHIN29015

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक मो. अकिलुर रहमान द्वारा आरडी प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड नोएडा से मुद्रित व जे-29, जे-एक्स. गली नं-9, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित। सभी प्रकार के विवादित मामलों का निपटारा दिल्ली के न्याय क्षेत्र में ही होगा।

संपादक : मो. अकिलुर रहमान

E-mail : rajnitikdaon@gmail.com

Mob-9560268603

मातृ-शक्ति पर छा रहे धुंधलों को मिटाना होगा

ललित गर्ग

विश्व मातृ दिवस महिलाओं के अस्तित्व एवं अस्मिता से जुड़ा एक ऐसा दिवस है जो मातृ शक्ति की सार्थक अभिव्यक्ति देता है। जननी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन का तथा मातृशक्ति की अभिवंदना का यह एक स्वर्णिम अवसर है। माँ की महिमा को उजागर करने वाला ऐतिहासिक दिन है। सेवा और समर्पण की साक्षात प्रतिमूर्ति मातृ-शक्ति ने समाज और राष्ट्र को सृजनात्मक एवं रचनात्मक दिशाएँ दी हैं। अपने त्याग और बलिदान से परिवार, समाज और राष्ट्र की अस्मिता को बचाने का हर संभव प्रयत्न किया है। यहाँ तक कि परिवार संस्था की आधारभित्ति भी मातृ-शक्ति के इर्द-गिर्द ही टिकी हुई है। इन सब स्थितियों के बावजूद मातृ-शक्ति कब तक समाज की जड़ता में जकड़ी रहे?

मां का त्याग, बलिदान, ममत्व एवं समर्पण अपनी संतान के लिये इतना विराट है कि पूरी जिंदगी भी समर्पित कर दी जाए तो मां के ऋण से उऋण नहीं हुआ जा सकता है। संतान के लालन-पालन के लिए हर दुख का सामना बिना किसी शिकायत के करने वाली मां के साथ बिताये दिन सभी के मन में आजीवन सुखद व मधुर स्मृति के रूप में सुरक्षित रहते हैं। इसीलिये एच. डब्ल्यू. बीचर ने कहा कि मां का हृदय बच्चे की पाठशाला है।ह्ल

ह्लमातृ देवो भवःह्ल यह सूक्त भारतीय संस्कृति का परिचय-पत्र है। ऋषि-महर्षियों की तपः पूत साधना से अभिसिंचित इस धरती के जर्रे-जर्रे में गुरु, अतिथि आदि की तरह माँ भी देवरूप में प्रतिष्ठित रही है। रामायण उद्गार आदि कवि महर्षि वाल्मीकी की यह पंक्ति- ह्यजननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसीह्ल जन-जन के मुख से उच्चारित है। प्रारंभ से ही यहाँ ह्यमातृशक्तिह्ल की पूजा होती आई है। वैदिक परंपरा दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी के रूप में, बौद्ध अनुयायी चिरंतन शक्ति प्रज्ञा के रूप में और जैन धर्म में श्रुतदेवी और शासनदेवी के रूप में माँ की आराधना होती है। लोक मान्यता के अनुसार मातृ वंदना से व्यक्ति को आयु, यश, स्वर्ग, कीर्ति, पुण्य, बल, लक्ष्मी पशुधन, सुख, धन-धान्य आदि प्राप्त होता है।

ऐसा कहा जाता है कि भगवान हर किसी के साथ नहीं रह सकता इसलिए उसने माँ को बनाया। एक माँ हमारे जीवन की हर छोटी बड़ी जरूरतों का ध्यान रखने वाली और उन्हें पूरा करने वाली देवदूत होती है। कहने को वह इंसान होती है, लेकिन भगवान से कम नहीं होती। वह ही मन्दिर है, वह ही पूजा है और वह ही तीर्थ है। तभी ई. लेगोव ने कहा है कि इस धरती पर मां ही ऐसी देवी है जिसका कोई नास्तिक नहीं। यही कारण है कि समूची दुनिया में मां से बढ़कर कोई इंसानी रिश्ता नहीं है। वह सम्पूर्ण गुणों से युक्त है, गंभीरता में समुद्र और धैर्य में हिमालय के समान है। उसका आशीर्वाद वरदान है। जरा कभी मां के पास बैठो, उसकी सुनो, उसको देखो, उसकी बात मानो। उसका आशीर्वाद लेकर, उसके दर्शन करके निकलो। फिर देखो, जो चाहोगे मिलेगा- सुख, शांति, शोहरत और कामयाबी। ध्यान रहे, मां का दिल दुखाने का मतलब ईश्वर का अपमान है।

संसार महान् व्यक्तियों के बिना रह सकता है, लेकिन मां के बिना रहना एक अभिशाप की तरह है। इसलिये संसार मां का महिमामंडन करता है, उसके गुणगान करता है, इसके लिये मदर्स डे, मातृ दिवस या माताओं का दिन चाहे जिस नाम से पुकारें दिन निर्धारित है। अमेरिका में मदर्स डे की शुरूआत 20वीं शताब्दी के आरंभ के दौर में हुई। विश्व के विभिन्न भागों में यह अलग-अलग दिन मनाया जाता है। मदर्ड डे का इतिहास करीब 400 वर्ष पुराना है। प्राचीन ग्रीक और रोमन इतिहास में मदर्स डे मनाने का उल्लेख है।

मातृ दिवस-समाज में माताओं के प्रभाव व सम्मान का उत्सव है। मां शब्द में संपूर्ण सृष्टि का बोध होता है। मां के शब्द में वह आत्मीयता एवं मिठास छिपी हुई होती है, जो अन्य किन्हीं शब्दों में नहीं होती। मां नाम है संवेदना, भावना और अहसास का। मां के आगे सभी रिश्ते बौने पड़ जाते हैं। मातृत्व की छाया में मां न केवल अपने बच्चों को सहेजती है बल्कि आवश्यकता पड़ने पर उसका सहारा बन जाती है। समाज में मां के ऐसे उदाहरणों की कमी नहीं है, जिन्होंने अकेले ही अपने बच्चों की जिम्मेदारी निभाई। मां रूपी सूरज चरेवैति-चरेवैति का आह्वान है। उसी से तेजस्विता एवं व्यक्तित्व की आभा निखरती है। उसका ताप मन की उम्मीदों को कभी जंग नहीं लगने देता। उसका हर संकल्प मुकाम का अन्तिम चरण होता है।

किंतु वर्तमान परिवेश को देखते हुए यह सवाल अवश्य खड़ा होता है कि क्या आज की माँ जननी की भूमिका का सम्यक निर्वहन कर रही है? अथवा क्या वे समाजशास्त्रियों के इस अभिमत पर प्रश्नचिन्ह नहीं लगा रही कि बच्चा नागरिकता का पहला पाठ माँ की वात्सल्यमयी गोद में सीखता है। जबकि वस्तुस्थिति तो यह है कि माँ की गोद उसे नसीब होती कहाँ है? कुक्षि से बाहर आते ही उसे अलग पालने में सुला दिया जाता है। सोता है तो दूध की बोतल उसके मुँह से लगा दी जाती है। उसका लालप-पालन या देखरेख नर्स या आया के द्वारा होती है अथवा डे केयर सेंटर, बेबी केयर सेंटर में भेजकर कर्तव्यपूर्णता का लेबल लगा दिया जाता है। दो-ढाई वर्ष का होते ही नर्सरी में कम्प्यूटर द्वारा उसे अक्षर-बोध प्राप्त होता है। कुछ बड़ा होते ही उसे होस्टल में प्रविष्टि दिला दी जाती है। कितनी आधुनिक माताएँ तो ऐसी हैं जिन्हें अपने बच्चों से संवाद स्थापित करने का क्षण भी उपलब्ध नहीं होता। करें भी कैसे ? उन्हें अपने निजी कार्यक्रमों से ही फुर्सत नहीं है। तब भला वह कैसे उन्हें बात-बात में तत्त्वबोध दें? कब मीठी-मीठी प्रेरक लोरियाँ सुनाकर संस्कारों की सौगात सौंपे? किस माध्यम से पारिवारिक, सामाजिक मान-मयार्दाओं की अवगति दें? कैसे जीवन में धर्म की उपयोगिता का अहसास करवाएँ? तब फिर शून्यता के सिवा शेष हाथ भी क्या आएगा? मातृ दिवस मां की अस्मिता के धुंधलाने के कारणों की पडताल करने का भी अवसर है। मां का दुलार और प्यार भरी पुचकार ही बच्चे के लिए दवा का कार्य करती है। इसलिए ही ममता और स्नेह के इस रिश्ते को संसार का खूबसूरत रिश्ता कहा जाता है। दुनिया का कोई भी रिश्ता इतना मर्मस्पर्शी नहीं हो सकता। डेविट टलमेज ने कटू सत्य को उजागर किया है कि माँ एक ऐसा बैंक हैं जहाँ हम अपने चोटों और परेशानियों को जमा कर के रखते हैं।

वेदमूर्ति, महामहोपाध्याय पंडित श्रीपाद दामोदर सातवलेकर ने एक बार कहा था, ह्यह्यतुम भारत के पतन का सच्चा कारण जानते हो? मैं समझता हूं कि यह दो कारणों से हुआ। हमनें भाग्य को परिश्रम से अधिक महत्व दिया और अपनी महिलाओं को, अर्थात आधे समाज को एक सुन्न व्यवस्था में पहुंचा दिया। कितनी दयनीय बात है कि देश ने स्त्री की शक्ति के रूप में अवधारणा दी, जिसने पुराणों के पृष्ठों में देवताओं को 4 या 8 हाथ दिये किन्तु देवियों को 108 हाथ दिये, उसी ने स्त्रियों को पुरुषों से नीचा स्थान दिया और उन्हें वेद पढ़ने के अधिकार से वंचित कर दिया और सबसे शोचनीय बात यह है कि उन्हें चारदिवारी में बंद कर दियाह्लह्लह्यमांह्ल को उसकी दैवी सम्मान दिलाना वर्तमान युग की सबसे बड़ी आवश्यकता में से एक है।

मां को धरती पर विधाता की प्रतिनिधि कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। सच तो यह है कि मां विधाता से कहीं कम नहीं है। क्योंकि मां ने ही इस दुनिया को सिरजा और पाला-पोशा है। कण-कण में व्याप्त परमात्मा किसी को नजर आये न आए मां हर किसी को हर जगह नजर आती है। कहीं अण्डे सेती, तो कहीं अपने शावक को, छोने को, बछड़े को, बच्चे को दुलारती हुई नजर आती है। मां एक भाव है मातृत्व का, प्रेम और वात्सल्य का, त्याग का और यही भाव उसे विधाता बनाता है।

महान् जैन आचार्य एवं अणुव्रत आन्दोलन के प्रवर्तक आचार्य तुलसी की मातृ शक्ति को भारतीय संस्कृति से परिचित कराती हुई निम्न प्रेरणादायिनी पंक्तिया पठनीय ही नहीं, मननीय भी हैं- ह्यह्यभारतीय मां की ममता का एक रूप तो वह था, जब वह अपने विकलांग, विक्षिप्त और बीमार बच्चे का आखिरी सांस तक पालन करती थी। परिवार के किसी भी सदस्य द्वारा की गई उसकी उपेक्षा से मां पूरी तरह से आहत हो जाती थी। वही भारतीय मां अपने अजन्मे, अबोल शिशु को अपनी सहमति से समाप्त करा देती है। क्यों? इसलिए नहीं कि वह विकलांग है, विक्षिप्त है, बीमार है पर इसलिए कि वह एक लड़की है। क्या उसकी ममता का स्रोत सूख गया है? कन्याभ्रूणों की बढ़ती हुई हत्या एक ओर मनुष्य को नृशंस करार दे रही है, तो दूसरी ओर स्त्रियों की संख्या में भारी कमी मानविकी पर्यावरण में भारी असंतुलन उत्पन्न कर रही है। अन्तर्राष्ट्रीय मातृ-दिवस को मनाते हुए मातृ-महिमा पर छा रहे ऐसे अनेक धुंधलों को मिटाना जरूरी है, तभी इस दिवस की सार्थकता है।

धरती का स्वर्ग

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

गोंदिया -बचपन से हम बड़ेबुजुर्गों बुद्धिजीवियों महात्माओं से सुनते और बाल्यकाल से ही किताबों में पढ़ते आ रहे हैं कि धरती पर एक स्वर्ग, जन्नत है तो वह जम्मू कश्मीर है!! बस!! फिर क्या मस्तिष्क में आ ही जाता है कि जन्नत की सैर कर लें! वैसे तो हम दादा-दादी नाना-नानी बुजुर्गों से स्वर्ग-नरक जन्नत-जहन्नम के किस्से कहानियां सुनते ही आ रहे हैं परंतु यह मानव जीवन जब त्यागा जाता है तो फिर कर्मों के अनुसार जन्नत-जहन्नम स्वर्गनरक के द्वार से वहां जा सकते हैं ऐसा ही बताया जाता है परंतु यहां तो जीते जी ही स्वर्ग के दर्शन हो रहे हैं!! यहां नर्क जहन्नुम का नामोनिशान नहीं है फिर तो स्वाभाविक रूप से ही हर व्यक्ति इस स्वर्ग में जाना पसंद करेगा!!

साथियों बात अगर हम धरती के स्वर्ग-जन्नत जम्मू-कश्मीर (जेके) की करें तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में जानकारी के अनुसार वहां बहुत ही सुख शांति अमन चैन था। परंतु 1990 के दशक से वहां की स्थितियां, परिस्थितियां बदली और बदलते चली गई जातिवाद की पराकाष्ठा, दंगे, पलायन का मंजर याद कर, 1947 के मंजर की व्यथा बुजुर्गों को याद आती है खैर, उनमें हम अभी ना जाकर हम हमारे स्वर्ग दर्शन, भ्रमण का रास्ता के तीव्र गति से बढ़ते चरणों की बात करें तो खुशियों की महक आएगी।

साथियों बात अगर हम स्वर्ग के निर्बाध खुलते चरणों की करें तो आर्टिकल 370 हटने के बाद यह साफ हो गया था कि चरणों का क्रम तीव्रता से बढ़ेगा। हमने देखे क कि पीएम महोदय ने भी उसके बाद पहली बार अभी दौरा किया और अब परिसीमन आयोग ने भी अपनी रिपोर्ट दिनांक 5मई 2022 को हस्ताक्षर कर जारी कर दी गई है!! हालांकि मार्च 2020 में एक जस्टिस (सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता में बनाई गई कमेटी के कार्यकाल में दो बार वृद्धि की गई, क्योंकि कोरोना काल त्रासदी की जबरदस्त लहर चली थी और अंतिम बार 6 मई 2022 तक कार्यकाल बढ़ाया गया था। अब रिपोर्ट सरकार को सौंपी जाएगी और विधानसभा चुनाव कराने का रास्ता साफ हो गया है, अब शीघ्र ही हमें जम्मू कश्मीर में चुनाव का बिगुल सुनाई देगा, उम्मीद कर सकते हैं कि अक्टूबर से दिसंबर तक या अमरनाथ यात्रा के बाद चुनाव होने की संभावना है।

साथियों बात अगर हम परिसीमन आयोग की रिपोर्ट की करें तो मीडिया के अनुसार, जम्मू कश्मीर विधानसभा की प्रस्तावित तस्वीर कुल सीटेंः 90, कश्मीर संभाग : 47,जम्मू संभागः 43, अनुसूचित जातिः 07 अनुसूचित जनजाति : 09, यानी हम कह सकते हैं, आयोग ने केंद्र शासित प्रदेश में सीटों की संख्या 83 से बढ़ाकर 90 करने का प्रस्ताव दिया है। साथ ही पहली बार अनुसूचित जनजातियों के लिए 9 सीटों को रिजर्व करने कहा है। इनमें से 43 सीटें जम्मू और 47 सीटें कश्मीर में रहेंगी। इसके पहले 83 सीटों में 37 जम्मू और 46 कश्मीर में थीं। उल्लेखनीय है कि 2018 से ही जम्मू-कश्मीर में निर्वाचित सरकार गठित नहीं है हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा था परिसीमन प्रक्रिया पूर्ण होते ही जेके में चुनाव होंगे।

साथियों बात अगर हम अब जेके में सीटों के गणित की करें तो, 5 अगस्त 2019 से पहले जम्मू -कश्मीर विधानसभा में कुल 111 सीटें थीं। इनमें से 46 कश्मीर में, 37 जम्मू में, 4 लद्दाख में थीं। पड़ोसी मुल्क के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के लिए 24 सीटें रिजर्व रखी गई हैं। अभी तक जम्मू-कश्मीर विधानसभा की 87 सीटों पर चुनाव होते रहे।

अलग केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद लद्दाख की 4 सीटों को हटा दिया गया है। इस तरह विधानसभा की कुल 83 सीटें बची हैं। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन एक्ट 2019 के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर विधानसभा में 7 सीटें बढ़ाई जाएंगी।

साथियों बात अगर हम आयोग की सिफारिशों के प्रभाव की करें तो, केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद चुनाव आयोग वोटर लिस्ट तैयार करने की कार्रवाई शुरू कर देगा। जम्मू-कश्मीर परिसीमन आयोग के अनुसार लोकसभा की पांच सीटों में दो-दो सीटें जम्मू और कश्मीर संभाग में होंगी जबकि एक सीट दोनों के साझा क्षेत्र में होंगी। यानें आधा इलाका जम्मू संभाग का और आधा कश्मीर घाटी का हिस्सा होगा। इसके अलावा दो सीटें कश्मीरी पंडितों के लिए भी रिजर्व रखी गई हैं। अनंतनाग और जम्मू के राजौरी और पुंछ को मिलाकर एक संसदीय क्षेत्र बनाया गया है।

साथियों बात अगर हम जेके में अब चुनाव की करें तो, जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव अक्तूबर-दिसंबर तक हो सकते हैं। केंद्रीय गृहमंत्री ने फरवरी में कहा था कि परिसीमन की प्रक्रिया जल्द पूरी होने वाली है। अगले छह से आठ महीने में विधानसभा के चुनाव होंगे। इसमें किसी प्रकार का कोई संदेह नहीं है। माना जा रहा है कि विधानसभा चुनाव अमरनाथ यात्रा के बाद कराना ज्यादा मुफीद माना जा रहा है क्योंकि यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था के लिए केंद्रीय बल प्रदेश में मौजूद रहेंगे। चुनाव में सुरक्षा व्यवस्था के लिए अतिरिक्त तामझाम नहीं करना होगा। ऐसा विचार मीडिया में आया है।

साथियों बात अगर हम परिसीमन आयोग की करें तो, ये हैं आयोग के सदस्य जस्टिस (सेवानिवृत्त) रंजना देसाई के नेतृत्व में गठित इस पैनल में मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा और जम्मू-कश्मीर के राज्य चुनाव आयुक्त इसके पदेन सदस्य हैं। परिसीमन आयोग ने अपनी अंतरिम रिपोर्ट सहयोगी सदस्यों को 4 फरवरी को सौंपी थी। फरवरी 2022 में आयोग को काम पूरा करने के लिए दो महीने का विस्तार दिया गया था। वरना आयोग की समय सीमा 6 मार्च को समाप्त हो गई थी।

यह विशेष उल्लेखनीय है कि, केंद्र शासित प्रदेश का पिछला परिसीमन 1995 में हुआ था। जहां पैनल को अपनी रिपोर्ट देने में सात साल का समय लगा था। जबकि मौजूदा आयोग को कोरोना वायरस महामारी के बावजूद अपना काम पूरा करने में दो साल से थोड़ा ज्यादा समय लगा। मार्च 2020 में बनी इस पैनल को 2021 में एक साल का विस्तार दिया गया था।

साथियों बातें गर्म परिसीमन की व्याख्या और मतलब को समझने की करें तो, क्या होता है परिसीमन ? विधायी निकाय वाले क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों की सीमा तय करने की प्रक्रिया परिसीमन कहलाती है। परिसीमन का काम किसी उच्चाधिकार निकाय को दिया जाता है। केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद प्रदेश में एक बार फिर परिसीमन के लिए आयोग बनाया गया है। इस बार सुप्रीम कोर्ट की रिटायर्ड जज रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में परिसीमन आयोग का गठन किया गया है।

जम्मू-कश्मीर में आखिरी बार परिसीमन 1995 में हुआ था। उस समय जम्मू-कश्मीर में 12 जिले और 58 तहसीलें हुआ करती थीं। वर्तमान में प्रदेश में 20 जिले हैं और 270 तहसील हैं। पिछला परिसीमन 1981 की जनगणना के आधार पर हुआ था। इस बार परिसीमन आयोग 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन का काम कर रहा है।

परिसीमन में इन चीजों का ख्याल रखा जाता है,विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन में जनसंख्या मुख्य आधार रहता ही है। इसके अलावा क्षेत्रफल, भौगोलिक परिस्थिति, संचार की सुविधा आदि पर भी गौर किया जा रहा है। जम्मू-कश्मीर में अब तक 1963, 1973 व 1995 में परिसीमन की प्रक्रिया हुई है।

युवाओं के लिए सरकारी नौकरी से इतर अवसर

-लीलाधर-

युवा शक्ति राष्ट्र का प्राण तत्त्व है। वही उसकी गति है, स्फूर्ति है, आज है, राष्ट्र का ज्ञान है। यदि भारत को विश्व शक्ति का सपना सचमुच पूरा करना है तो हमें युवा शक्ति को एक सकारात्मक दिशा में उपयोग करने की आवश्यकता है। आज भारत में 18-29 वर्ष आयु वर्ग की संख्या कुल जनसंख्या का 22 फीसदी है जो कि पाकिस्तान की जनसंख्या से भी अधिक है। चीन जो कि हमारा पड़ोसी राष्ट्र है, बहुत तीव्र गति से विकास कर रहा है, चाहे वह आर्थिक स्तर पर हो, राजनीतिक स्तर पर हो, चीन आज न केवल दक्षिण भारत की राजनीति को, बल्कि विश्व मंच पर अमेरिका को चुनौती देने वाली एक बड़ी शक्ति के तौर पर उभरकर सामने आया है। आज यदि भारत को दक्षिण एशिया में चीन का सामना करना है तो युवाओं की ऊर्जा शक्ति को प्रयोग में लाने की आवश्यकता है। आज भारतवर्ष के नीति निमार्ताओं को भारत के युवाओं की ऊर्जा का सकारात्मक प्रयोग करने हेतु एक मजबूत ढांचा खोजने की जरूरत है। यह माना जाता है कि युवा ही कल का भविष्य होता है तथा यदि किसी राष्ट्र का भविष्य देखना हो तो उसके युवाओं की ओर देखा जाता है कि वहां के युवा कितने सक्षम हैं।

चीन आज अमेरिका जैसी बड़ी शक्ति को आर्थिक एवं राजनीतिक स्तर पर टक्कर दे रहा है तथा अपने राजनीतिक लाभ के आधार पर वैश्विक व्यवस्था को ढालने की कोशिश कर रहा है, जिससे कि वह विश्व में अपना वर्चस्व स्थापित कर सके तथा अपने हितों की पूर्ति कर सके। आज चीन अपनी युवा शक्ति का भरपूर इस्तेमाल कर रहा है तथा अपनी शिक्षा प्रणाली को कौशल आधारित बना दिया है, जिससे कि वह अपने युवाओं का राष्ट्र निर्माण हेतु अधिक से अधिक प्रयोग कर सके। आज भारत को यदि चीन को रोकना है तो भारत की युवा शक्ति एक बड़ा माध्यम हो सकती है। एक कुशल एवं कौशल आधारित युवा के निर्माण हेतु आज भारत को आवश्यकता है कि वह अपनी शिक्षा व्यवस्था का फिर से आकलन करे तथा यथोचित सुधार करे जिससे हमारे युवा केवल सैद्धांतिक स्तर भी ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक स्तर पर भी अपने आप को परिवर्तित स्थितियों के आधार पर खुद को ढाल सकें। शिक्षा किसी भी राष्ट्र का आईना होती है। अतः इसमें ऐसे मूलभूत परिवर्तन करने की आवश्यकता है जिससे कि युवाओं को राष्ट्र की उन्नति हेतु मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जाए।

यद्यपि नई शिक्षा नीति में इस ओर कार्य करने का प्रयास है, किंतु यह भी देखने की आवश्यकता है कि हम धरातल पर कितने सफल हो पाए हैं। भारत एक युवा राष्ट्र है और यही युवा राष्ट्र एक समय के बाद बूढ़ा हो जाएगा। यदि भारत के नीति निमार्ता, चाहे वे केंद्र स्तर पर हों या राज्य स्तर पर हों, युवा शक्ति को एक सही दिशा में उपयोग करने में असफल हो जाते हैं तो यह हमारे भविष्य के लिए एक बड़ी चुनौती के साथ-साथ हमारे विश्व शक्ति बनने के सपने को अधूरा छोड़ देगा। मैं हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय का एक छात्र हूं। यहां रहकर मैंने यह अनुभव किया कि यहां के छात्र ऊजार्वान, मेहनती एवं परोपकारी तो हैं, परंतु दुर्भाग्यवश सरकारी नौकरी तक सीमित हैं। अतः एक क्षेत्र में ही सभी को नौकरी दिलाना संभव नहीं हो सकता है। इसलिए युवाओं को यह समझने की आवश्यकता है कि शिक्षा का अर्थ केवल नौकरी करना नहीं होना चाहिए, बल्कि शिक्षा के आधार पर बहुत से और विकल्प खोजे जा सकते हैं ताकि जो छात्र किसी कारणवश नौकरी नहीं कर सकें, वे भी एक गौरवशाली जीवन व्यतीत कर सकते हैं तथा एक समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करने में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। मैं हिमालय की गोद में स्थित हिमाचल का निवासी हूं। प्रकृति ने इसे असीम सुंदरता तथा संसाधन दिए हैं।

इसलिए यहां विभिन्न क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं, जिनमें पर्यटन, बागवानी, कृषि, पशुपालन, हस्तशिल्प एवं हथकरघा उद्योग, मधुमक्खी पालन, सीमेंट उद्योग आदि क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। युवा इन क्षेत्रों में अपनी शिक्षा का प्रयोग करके एक अच्छी उपज पैदा करके एक समृद्ध जीवन जी सकता है। यहां मेरे कहने का भाव यह है कि हमें शिक्षा के द्वारा हर एक क्षेत्र में विकास करने की आवश्यकता है। चीन तथा पाकिस्तान दक्षिण एशिया में भारत को एक प्रतिद्वंद्वी मानते हैं तथा समय-समय पर वे भारतीय सीमा पर हस्तक्षेप करते रहते हैं, ताकि भारत अपने सीमा संबंधी विवादों में उलझा रहे तथा आंतरिक समस्याओं एवं विकास-समृद्धि से उसका ध्यान भटकाया जा सके। एक युवा एवं भारतीय होने के नाते मेरी यह तीव्र इच्छा है कि भारत विश्व मंच पर एक मजबूत शक्ति तथा घरेलू स्तर पर एक सक्षम एवं खुशहाल राष्ट्र बने। अतः मेरा यह मानना है कि भारत के प्रत्येक राज्य को वहां के युवाओं को अपने राज्य की परिस्थितियों एवं आवश्यकता के अनुसार उपयोग में लाने की आवश्यकता है, ताकि वे प्रत्येक क्षेत्र में राष्ट्र निर्माण हेतु सहयोग दे सकें। युवाओं की ऊर्जा के उचित दोहन के लिए भारत को एक कारगर नीति बनानी होगी। केंद्र तथा राज्य सरकारों के सहयोग से एक समग्र नीति बनाई जा सकती है।

सेंसेक्स दो माह के निचले स्तर पर

कमजोर वैश्विक रुख के चलते सेंसेक्स 867 अंक गिरकर बंद

मुंबई। कमजोर वैश्विक रुख के चलते सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिवस शुक्रवार को भारी बिकवाली देखने को मिली। कारोबार के दौरान बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 866.65 अंक लुढ़ककर दो माह के निचले स्तर 55 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 54835.58 अंक पर आ गया। इससे पूर्व सेंसेक्स 09 मार्च को 54647.33 अंक पर रहा था। इसी तरह एनएसई का निफ्टी 271.40 अंक गिरकर 16411.25 अंक पर आ गया। अमेरिका में महंगाई को नियंत्रित करने के लिए फेड रिजर्व के ब्याज दरों में तेज वृद्धि के रुख से वैश्विक अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी पड़ने की आशंका से हताश निवेशकों ने चौतरफा बिकवाली की। इसके साथ ही चीन की शून्य कोविड नीति से आर्थिक विकास प्रभावित होने की आशंका से सहमे निवेशकों की निवेश धारणा कमजोर पड़ने से एशिया समेत अंतराष्ट्रीय बाजार में गिरावट देखी गई। बीएसई की बड़ी कंपनियों से अधिक छोटी और मझौली कंपनियों पर बिकवाली का दबाव रहा। मिडकैप 2.06 प्रतिशत टूटकर 23,129.61 अंक और स्मॉलकैप 2.10 प्रतिशत का गोता लगाकर 27,092.41 अंक पर रहा। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में गिरावट का रुख रहा। ब्रिटेन का

एफटीएसई 0.74, जर्मनी का डैक्स 0.96, हांगकांग का हैंगसेंग 3.81 और चीन का शंघाई कंपोजिट 2.16 प्रतिशत लुढ़क गया जबकि जापान के निक्केई में 0.69 प्रतिशत की बढ़त रही।

अमेरिकी शेयर बाजार में कोहराम, अमेजन, टेस्ला, फेसबुक के शेयर धराशायी

भारत के साथ ही महंगाई से परेशान अमेरिका को भी अपनी नीतिगत ब?याज दरों में बड़ी बढ़ोतरी करनी पड़ी। इसका असर भारतीय और अमेरिकी शेयर बाजारों में देखने को मिला। अमेरिकी शेयर बाजार का प्रमुख संवेदी सूचकांक डाऊजोंस 3.12 फीसदी यानी 1063 अंक टूट गया। नैस्डैक भी 4.99 फीसदी का गोता लगाया और एसएंडपी 153 अंक यानी 3.56 फीसदी गिरकर बंद हुआ। अमेजन के शेयर 7.56 फीसदी, फेसबुक के शेयर 6.77 फीसदी, टेस्ला के शेयर 8.33 फीसदी गिरकर बंद हुए।

बजाज फाइनेंस को सबसे अधिक नुकसान

बजाज फाइनेंस सबसे अधिक 4.91 प्रतिशत के नुकसान में रही। वहीं एक्सिस बैंक 4.11, विप्रो 3.12, एचडीएफसी 2.84, इंफोसिस 2.64, एचडीएफसी बैंक 2.59, टीसीएस 2.29, मारुति 1.70, रिलायंस 0.74 प्रतिशत नुकसान में शामिल रही। इस दौरान बीएसई में कुल 3460 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2519 में बिकवाली जबकि 835 में लिवाली हुई वहीं 106 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 39 कंपनियों में तेजी जबकि 11 में मंदी रही। इस दौरान जबरदस्त बिकवाली से बीएसई के 17 समूहों में गिरावट रही। बेसिक मैटेरियल्स 2.80, सीडीजीएस 2.16, वित्त 2.21, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 2.41, धातु 3.10, टेक 2.00 और रियल्टी समूह के शेयर 3.53 प्रतिशत लुढ़के।

निवेशकों को 4.47 लाख करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान

वैश्विक बाजारों में कमजोर रूख के बीच घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार को आई बड़ी गिरावट से निवेशकों को 4.47 लाख करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। बाजारों में गिरावट से बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 447172.57 करोड़ रुपए घटकर 25517716.80 करोड़ रुपए पर आ गया। शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार के निवेशकों को 5.10 लाख करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान उठाना पड़ा।

रिलायंस को तगड़ा मुनाफा

100 अरब डॉलर आय वाली पहली भारतीय कंपनी बनी रिलायंस

नई दिल्ली। अरबपति उद्यमी मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड आरआईएल ने शुक्रवार को मार्च 2022 को समाप्त तिमाही के वित्तीय परिणामों की घोषणा की। इस दौरान कंपनी ने तगड़ा मुनाफा कमाया। कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में 22.5 प्रतिशत बढ़कर 16203 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वहीं

कंपनी की आय बढ़कर 7.92 लाख करोड़ रुपए यानी 102 अरब डॉलर हो गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज सौ अरब डॉलर सालाना आय वाली पहली भारतीय कंपनी बन गयी है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने शुक्रवार को शेयर बाजार को भेजी सूचना में बताया कि तेल शोधन मार्जिन में मजबूती, दूरसंचार और डिजिटल सेवाओं में निरंतर वृद्धि तथा खुदरा कारोबार में मजबूत गति से कंपनी का लाभ बढ़ा है। तेल से लेकर दूरसंचार क्षेत्र में कारोबार करने वाली कंपनी का वित्त वर्ष 2020-21 की जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 13227 करोड़ रुपए था। पूरे वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का शुद्ध लाभ बढ़कर 60705 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

जियो का मुनाफा 24 फीसदी बढ़ा

रिलायंस इंडस्ट्रीज की इकाई रिलायंस जियो का शुद्ध लाभ मार्च 2022 को समाप्त चौथी तिमाही में करीब 24 प्रतिशत बढ़कर 4173 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एक साल पहले इसी तिमाही में शुद्ध लाभ 3360 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 2021-22 की जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी की एक एकल आधार पर परिचालन आय 20 प्रतिशत बढ़कर 20901 करोड़ रुपए रही जो एक साल पहले इसी तिमाही में 17358 करोड़ रुपए थी। रिलायंस जियो का 31 मार्च, 2022 को समाप्त वित्त वर्ष में एकीकृत शुद्ध लाभ करीब 23 प्रतिशत बढ़कर 14854 करोड़ रुपए रहा जो इससे पूर्व वित्त वर्ष 2020-21 में 12071 करोड़ रुपए था। कंपनी की परिचालन आय 2021-22 में करीब 10.3 प्रतिशत बढ़कर 77356 करोड़ रुपए पहुंच गयी जो एक साल पहले 70127 करोड़ रुपए थी।

हर शेयर पर आठ रुपए मुनाफा देगी रिलायंस

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड कंपनी के बोर्ड ने डिविडेंड बांटने की भी सिफारिश की है। कंपनी के बोर्ड ने 31 मार्च को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए प्रति इक्विटी शेयर 8 रुपए के लाभांश की सिफारिश की है। डिविडेंड भुगतान कंपनी की आगामी वार्षिक आम बैठक में कंपनी के सदस्यों के अनुमोदन के अधीन है। रिलायंस ने कहा, हम आपको नियत समय में सूचित करेंगे कि कंपनी 31 मार्च, 2022 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए अपनी वार्षिक आम बैठक आयोजित करेगी और जिस तारीख से शेयरधारकों द्वारा अनुमोदित होने पर डिविडेंड का भुगतान या वारंट किया जाएगा। इसे शेयरधारकों को भेज दिया गया है।

माइंडट्री व एलएंडटी इंफोटेक का होगा विलय

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग और परियोजना निर्माण क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एलएंडटी ने अपनी दो सॉफ्टवेयर कंपनियों लार्सेन एंड टूब्रो इंफोटेक और माइंडट्री की विलय करने की शुक्रवार को घोषणा की। शेयरबाजार में सूचीबद्ध इन दोनों कंपनियों के विलय के बाद बनी नई कंपनी का नाम एलटीआई माइंडट्री होगा।

नई कंपनी का नाम एलटीआई माइंडट्री होगा

नयी कंपनी अपने कारोबार का पैमाना और बढ़ाने तथा दूसरी बड़ी कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में अधिक समर्थ हो सकती है। इस विलय के तहत शेयरों की अदला-बदली में माइंडट्री के शेयरधारकों को अपने 100 शेयर के बदले एलएंडटी इंफोटेक के 73 शेयर मिलेंगे। एलटीआई माइंडट्री में एलएंडटी की हिस्सेदारी 68.73 प्रतिशत होगी। एलटीआई के प्रमुख ए एम नाइक ने एक बयान में कहा, यह विलय हमारे रणनीतिक सोच के अनुसार सूचना प्रौद्योगिकी कारोबार में अपना विस्तार जारी रखने की हमारी प्रतिबद्धता के अनुसार है।

खाद्य तेल पर टैक्स घटा सकती है सरकार

आने वाले दिनों में सस्ता हो सकता है खाद्य तेल

नई दिल्ली। आने वाले दिनों में खाद्य तेल सस्ता हो सकता है। इसके लिए सरकार खाद्य तेल पर टैक्स घटाने की तैयारी कर रही है। सरकार कच्चे पाम तेल के आयात पर कृषि इंफ्रा और डेवलपमेंट सेस को पांच फीसदी से कम करने पर विचार कर रही है। यह कटौती कितनी होगी, स्पष्ट नहीं है। हाल ही में सेस को 7.5 फीसदी से घटाकर पांच फीसदी किया गया था। सेस कुछ उत्पादों पर मूल टैक्स के बाद लगाया जाता है। इसका इस्तेमाल कृषि क्षेत्र की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के खर्च पर किया जाता है।

ब्लूमबर्ग के मुताबिक, पिछले दो साल से भारत में खाद्य तेल की कीमतें बढ़ रही हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद सूरजमुखी तेल का निर्यात बंद हो गया है। इंडोनेशिया ने भी पाम तेल निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। ऐसे में पाम तेल और

सोयाबीन तेल की वैश्विक कीमतों में तेजी से घरेलू बाजार में खाद्य तेल के दाम बढ़े हैं। हालांकि, भारत ने कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए कई कदम उठाए हैं, लेकिन बहुत ज्यादा फायदा नहीं हुआ। राइन ब्रान तेल और ऑलिव ऑयल जैसे कुछ प्रमुख खाद्य तेलों पर अब भी 35 फीसदी आयात शुल्क लगता है। इसे घटाकर 30 फीसदी पर लाने की योजना है।

60 फीसदी वनस्पति तेल का आयात

भारत अपनी कुल जरूरतों का 60 फीसदी वनस्पति तेल आयात करता है। सूत्रों का कहना है कि सरकार के पास खाद्य तेल की कीमतों में राहत देने के लिए सेस में कटौती के अलावा कोई विकल्प नहीं है। इस पर चर्चा चल रही है। हालांकि, उपभोक्ता मंत्रालय खाद्य तेल के दाम और भंडारण पर नजर बनाए हुए है। इंडोनेशिया सरकार पाम तेल निर्यात को लेकर 15 से 20 मई के बीच एक समीक्षा बैठक करने वाली है। हाल ही में खाद्य सचिव सुधांशु पांडे ने कहा कि सरकार के पास 40-45 दिनों के लिए पर्याप्त खाद्य तेल भंडार है।प्रतिबंध हटने के बाद पाम तेल की आपूर्ति फिर से पहले की तरह हो जाएगी। इससे खाद्य तेल की कीमतें नीचे आएंगी।

जापान ने किया 6 भारतीय परियोजनाओं का चयन

नई दिल्ली, एजेंसी। जापान सरकार ने आठ भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई परियोजनाओं का चयन किया है, जिन्हें हिंद-प्रशांत क्षेत्र की आपूर्ति शृंखला में चीन के प्रभुत्व का मुकाबला करने की व्यवस्था के तहत डेटा, आईटी, चिकित्सा और कोल्ड चेन मार्केटप्लेस के क्षेत्र में क्रियान्वित किया जाएगा। इन आठ परियोजनाओं में से छह परियोजनाएं भारत की हैं और जापान द्वारा 25 अप्रैल को भारत-प्रशांत क्षेत्र में आपूर्ति शृंखला के लचीलापन कार्यक्रम के लिए चुना गया था। शेष दो परियोजनाओं का संचालन ऑस्ट्रेलिया में किया जाएगा। इन परियोजनाओं को मार्च 2023 तक लागू किया जाएगा। जापानी दूतावास ने गुरुवार को एक बयान में कहा 'ये परियोजनाएं शुरू में जापानी कंपनियों को उनकी आपूर्ति शृंखला की परिकल्पना करने, लॉजिस्टिक को उन्नत करने, व्यापारिक प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाने और उनके उत्पादन आधारों में विविधता लाने में मदद करने के लिए एक प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन करेंगी।' यह घटनाक्रम भारत-प्रशांत क्षेत्र में आपूर्ति शृंखलाओं के लचीलेपन को बढ़ाने तथा आपूर्ति के भरोसेमंद स्त्रोत विकसित करने और इस योजना में शामिल हो सकने वाले अन्य देशों का पता लगाने के लिए ऑस्ट्रेलिया और जापान के साथ भारत द्वारा त्रिपक्षीय आपूर्ति शृंखला लचीलापन पहल (एससीआर आई) व्यवस्था में शामिल होने के एक साल बाद सामने आया है।

महाराष्ट्र में चीनी का रिकॉर्ड उत्पादन, पेराई जारी

मुंबई, एजेंसी। गन्ने का रकबा और बेहतर रिकवरी के कारण देश में इस बार चीनी का उत्पादन बढ़ा है। चीनी उत्पादन में महाराष्ट्र सबसे आगे हैं। महाराष्ट्र में इस साल अब तक चीनी का 132.6 लाख टन रिकॉर्ड उत्पादन हो चुका है, जबकि अब भी राज्य में पेराई चालू है। अतिरिक्त गन्ने की पेराई के लिए राज्य सरकार ने चीनी मिलों को सब्सिडी देने का भी ऐलान किया है ताकि बारिश शुरू होने के पहले खेतों से गन्ना उठाया जा सके।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) द्वारा जारी किये गए चीनी उत्पादन के आंकड़ों के मुताबिक देश भर में चीनी मिलों ने 1 अक्टूबर, 2021 से 30 अप्रैल, 2022 के बीच 342.37 लाख टन चीनी का उत्पादन किया है। यह उत्पादन पिछले साल के 300.29 लाख टन उत्पादन से लगभग 42.08 लाख टन अधिक है। हालांकि, 30 अप्रैल 2021 को गन्ने की पेराई करने वाली 106 चीनी मिलों की तुलना में इस साल 30 अप्रैल, 2022 को 217 चीनी मिलें गन्ने की पेराई कर रही थीं। देश में सबसे ज्यादा चीनी का उत्पादन महाराष्ट्र में हुआ है। इस्मा के मुताबिक महाराष्ट्र में 30 अप्रैल, 2022 तक चीनी का उत्पादन 132.06 लाख टन था, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 105.63 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था। इस साल उत्पादन पिछले साल की तुलना में लगभग 26.4 लाख टन अधिक है।

वर्तमान 2021-22 सीजन में, 76 मिलों ने अपने पेराई कार्यों को बंद कर दिया है और 123 चीनी मिलें अभी भी शुरू हैं, जबकि पिछले वर्ष इसी तिथि पर केवल 23 मिलें चल रही थीं। मिलों को वर्तमान में रिकॉर्ड फसल उत्पादन के चलते गन्ने की कटाई और परिवहन में समस्या का सामना करना पड़ रहा है। तदनुसार, राज्य सरकार ने मिलों को गन्ना खत्म होने तक पेराई जारी रखने के लिए सहायता की घोषणा की है।

महाराष्ट्र में गन्ना पेराई सीजन लगभग समाप्त हो गया है, लेकिन अभी तक गन्ना खेतों में पड़ा हुआ है। अतिरिक्त गन्ने की पेराई के लिए चीनी मिलों की मदद की मांग मानते हुए राज्य सरकार ने सब्सिडी देने फैसला किया है । मंत्रीमंडल द्वारा हाल ही में लिए गए निर्णय के मुताबिक एक चीनी मिल के निर्धारित गन्ने के लिए चीनी आयुक्तालय द्वारा निर्धारित 50 किमी की दूरी को छोड़कर 5 रुपये प्रति किमी परिवहन सब्सिडी दी जाएगी। इसके अलावा चीनी की रिकवरी 10 फीसदी से कम होने पर सरकार सहकारी और निजी चीनी मिलों को 200 रुपये प्रति टन सब्सिडी देगी। यह एक मई के बाद गन्ने की पेराई के लिए दिया जाएगा।

राज्य के चीनी आयुक्त शेखर गायकवाड़ के मुताबिक महाराष्ट्र में गन्ना पेराई का सत्र आमतौर पर 120 से 140 दिन और अधिकतम 145 दिनों तक चलता है। इस वर्ष राज्य में लगभग 20 चीनी मिलें अधिक गन्ना उत्पादन के कारण 160 दिनों तक चलेंगी। उम्मीद है कि इस साल 31 मई तक गन्ने की पेराई की जाएगी। महाराष्ट्र में चीनी का रिकॉर्ड उत्पादन इससे पहले 2019-20 में 107 लाख टन का रहा था। इस साल अभी तक 132,06 लाख टन तक पहुंच गया है, जो राज्य के लिए एक नया रिकॉर्ड है। राज्य सरकार को उम्मीद है कि इस बार राज्य में चीनी उत्पादन 133 लाख टन के पार पहुंच जाएगा। देश के दूसरे सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश में उत्पादन चालू विपणन वर्ष में अब तक घटकर 98.9 लाख टन रह गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 1.05 करोड़ टन था। देश के तीसरे सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य कर्नाटक में इस साल अप्रैल तक उत्पादन बढ़कर 59 लाख टन रहा, जो एक साल पहले इसी अवधि में 42.4 लाख टन रहा था।

फेड रिजर्व की ब्याज दरों में बढ़ोतरी की घोषणा से एशिया, अमेरिकी शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली

लंदन, एजेंसी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर में 22 साल में सबसे अधिक बढ़ोतरी की घोषणा के साथ ही अमेरिका के साथ एशिया के प्रमुख शेयर बाजारों में तेज गिरावट दर्ज की गई। फेड रिजर्व ने महंगाई पर काबू पाने के लिये ब्याज दरों में 50 आधार अंक की बढ़ोतरी की है, जो 22 साल में की गई सबसे बड़ी बढ़ोतरी है।

फेड का कहना है कि ब्याज दर में बढ़ोतरी से कार, घर और सेवायें महंगी हो जायेंगी, जिससे इनकी मांग घटेगी। मांग घटने से महंगाई कम होगी। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, फेड की घोषणा निवेश धारणा के प्रतिकूल रही, जिससे बाजार में बिकवाली हावी हो गई। निवेशक इस बात को लेकर आशंकित हैं कि बढ़ती महंगाई और उसे काबू में लाने का फेड का तरीका आर्थिक विकास पर विपरीत असर डालेगा। एशिया में जापान को छोड़कर, चीन का शंघाई कंपोजिट, हांगकांग का हैंगशैंग और भारत में बीएसई का सेंसेक्स शुक्रवार को गिरावट में कारोबार कर रहा है। अमेरिकी शेयर बाजार में भी कोहराम मचा हुआ है।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, हांगकांग का हैंगशैंग 3.6 प्रतिशत, चीन का शंघाई कंपोजिट 2.3 प्रतिशत और आस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200, 2.4 प्रतिशत गिर गया। अमेरिका में एसएंडपी 500 का सूचकांक 3.6 प्रतिशत तथा नैस्डैक करीब पांच प्रतिशत लुढ़क गया। बुधवार को फेड की घोषणा के तत्काल बाद अधिकतर बाजारों में तेजी रही थी लेकिन उसके एक दिन बाद बाजारों में जबरदस्त बिकवाली देखी गई। विश्लेषकों का कहना है कि यह राहत की बात है कि बैंक अधिक आक्रामक रुख नहीं अपना रहे हैं। फेड ने भी कहा है कि ब्याज दरों में और अधिक बढ़ोतरी के बारे में अभी गंभीरता से नहीं विचार किया जा रहा है।

लैंबॉर्गिनी ने एक हजार करोड़ रुपये के म्युचुअल फंड घोटाले का खुलासा किया

नई दिल्ली, एजेंसी। एक लैंबॉर्गिनी ने संभवतः एक्सिस म्युचुअल फंड में कथित रूप से एक हजार करोड़ रुपये के घोटाले का पदार्फाश कर दिया। यह मामला एक्सिस म्युचुअल फंड से जुड़ा है। म्युचुअल फंड के हेड ट्रेडर और फंड मैनेजर वीरेश जोशी और एक अन्य फंड मैनेजर दीपक अग्रवाल पर फ्रंट रनिंग का आरोप लगा है। फ्रंट रनिंग का मतलब होता है कि ब्रोकर को पहले से ही स्टॉक के बारे में इनसाइट जानकारी मिली हुई है। भारत में यह अवैध है।

इन दिनों यह बात चर्चा में है कि फ्रंट रनिंग में शामिल फंड मैनेजर लैंबॉर्गिनी में घूमता था और मुम्बई तथा उसके आसपास उसने कई लग्जरी अपार्टमेंट खरीदे थे। चर्चा में है कि वीरेश जोशी ने इस तरह से 500 करोड़ रुपये बनाये और मुम्बई के आसपास उसके 14 अपार्टमेंट हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि वीरेश जोशी ही स्मॉल और मिडकैप स्टॉक में पैसा लगाता था और उनके निश्चित सीमा पर पहुंचने पर म्युचुअल फंड कंपनी निवेश करती थी। यह भी चर्चा है कि ये फंड मैनेजर ब्रोकर के पेरोल पर थे और म्युचुअल फंड के हवाले से स्मॉल और मिडकैप स्टॉक में पैसा लगाते थे।

एक्सिस म्युचुअल फंड ने चार मई से फंड मैनेजर्स की जिम्मेदारियों में फेरबदल की है लेकिन इसमें वीरेश जोशी का नाम शामिल नहीं है। इसी तरह दीपक अग्रवाल का नाम भी नहीं है। एक्सिस म्युचुअल फंड ने एक्सिस आर्बिट्रेज फंड, एक्सिस बैंकिंग ईटीएफ, एक्सिस कंजप्शन ईटीएफ, एक्सिसस निफ्टी ईटीएफ और एक्सिस टेक्नोलॉजी ईटीएफ में प्रबंधकीय बदलाव किये हैं। ट्वीटर पर की गई टिप्पणियों से यह लग रहा है कि दोनों फंड मैनेजर बर्खास्त कर दिये गये हैं। ऐसा भी कहा जा रहा है कि सीईओ चंद्रेश निगम भी पद से हटाये गये हैं क्योंकि उन्होंने इस तरह की घटनाओं की अनदेखी की।

मुंबई के बिजली उपभोक्ताओं को मिलेगी राहत

मुंबई, एजेंसी। बिजली आपूर्ति को लेकर मुंबई की चिंता अब खत्म होने वाली है। इस साल के अंत तक एक नई पारेषण लाइन महानगर को राष्ट्रीय ग्रिड से जोड? वाली है। खारघर से विक्रोली तक पारेषण लाइन पर 1,900 करोड़ रुपये लागत आ रही है, जो इस साल के अंत तक बनकर तैयार हो जाएगी। वहीं आरे से कुदुस तक की पारेषण परियोजना में 7,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा और यह वित्त वर्ष 2026 तक तैयार हो जाएगी। राज्य सरकार के अधिकारियों ने कहा कि इसके साथ ही महानगर को राष्ट्रीय ग्रिड से जोड? वाली अतिरिक्त लाइन मिलेगी, जिससे उच्च गुणवत्ता वाली, सस्ती बिजली तक पहुंच मिल सकेगी।

महाराष्ट्र सरकार के अधिकारियों ने कहा, 'दोनों परियोजनाओं के लिए जमीन का अधिग्रहण हो गया है और विस्तृत डिजाइन और इंजीनियरिंग का काम पूरा हो चुका है। राइट टु वे (आरओडब्ल्यू) के लिए आवश्यक मंजूरी मिल गई है और परियोजना का काम पूरा होने के अंतिम अवस्था में है।' अधिकारी ने कहा कि दोनों परियोजनाओं से मुंबई को 2,000 मेगावॉट अतिरिक्त बिजली की आपूर्ति हो सकेगी, जो गर्मी की वजह से मांग 30 प्रतिशत बढ? से बिजली संकट के दौर से गुजर रहा है। अधिकारी ने कहा

कि 2 परियोजनाओं में से खारघर विक्रोली परियोजना से 1,000 मेगावॉट बिजली इस साल के अंत तक आनी शुरू हो जाएगी और आपूर्ति के अंतर की तात्कालिक मांग पूरी की जा सकेगी।

पिछले सप्ताह मुंबई की बिजली की मांग बढ़कर 3,750 मेगावॉट हो गई थी और राज्य सरकार के अधिकारियों को चल रही गर्म हवाओं के कारण मांग 4,200 मेगावॉट तक पहुंचने की संभावना है। दिलचस्प है कि 7,000 करोड़ रुपये की आरे और कुदुस परियोजना उच्चतम न्यायालय में याचिका में फंसी हैं। मुंबई में बिजली की आपूर्ति करने वाली टाटा पावर ने पिछले सप्ताह राज्य सरकार की योजना के खिलाफ न्यायालय का रुख किया था, जिसमें सरकार ने अदाणी इलेक्ट्रिसिटी (पहले रिलायंस एनर्जी) को परियोजना आवंटित करने की योजना बनाई थी।

2013 में महाराष्ट्र बिजली नियामक आयोग ने आरे कुदुस परियोजना को हरी झंडी दी थी। लेकिन यह परियोजना 2018 तक अटकी रही, जब राज्य के भीतर पारेषण परियोजनाओं को देखने वाली नोडल एजेंसी राज्य पारेषण इकाई (एसटीयू) ने परियोजना की संभावनाओं में बदलाव किया था। मुंबई उपनगरीय बिजली वितरण का कारोबार अनिल अंबानी समूह से लेने के बाद अदाणी इलेक्ट्रिसिटी ने आरईएल को आवंटित परियोजना बहाल की और पिछले साल मार्च में एमईआरसी से लाइसेंस हासिल किया।

बहरहाल टाटा पावर ने एमईआरसी के प्रस्ताव का विरोध किया, जिसमें यह कहते हुए लाइसेंस को मंजूरी दी गई कि परियोजना का आवंटन प्रतिस्पर्धी बोली से होगा। एमईआरसी ने टाटा पावर का अनुरोध रद्द कर दिया। उसके बाद टाटा पावर बिजली अपीली न्यायाधिकरण (एपीटीईएल) चली गई, जिसने इस साल फरवरी में एमईआरसी के फैसले को बरकरार रखा। टाटा पावर ने एपीटीईएल के आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय चली गई और.यह मामला अभी न्यायालय के विचाराधीन है। जून 2010 में एमईआरसी ने एक समिति नियुक्त की, जिसे मुंबई में ग्रिड फेल होने की वजहों का पता लगाना था और इस तरह की घटना रोकने के लिए कदमों का सुझाव देना था।

एक नजर

आनासागर में दो हजार के नोटों की गड्डियां मिली

अजमेर, (एजेंसी)। गंज थाना क्षेत्र स्थित ऐतिहासिक आनासागर झील में शुक्रवार दोपहर संदिग्ध दो-दो हजार रुपए के नोटों की गड्डियां तैरती मिली। सूचना पर गंज थाना पुलिस के सहायक उप निरीक्षक बलदेव सिंह मौके पर पहुंचे और गौताखोरों की मदद से नोटों के बंडलों को पानी से बाहर निकलवाया। श्री सिंह ने बताया कि नोट के कुछ बंडल पानी में तैरते मिले और कुछ प्लास्टिक की थैलियों और प्लास्टिक थैलों में पानी से बरामद किये गये। सभी नोटों पर भारतीय रिजर्व बैंक अंकित है और ये हूबहू मूल नोटों की तरह दिख रहे है जोकि जांच का विषय है। नोटों के 40-50 बंडल मिले है।

सात लोग डूबे, दो सगे भाइयों समेत चार की मौत

कानपुर, (एजेंसी)। स्थानीय कैंट क्षेत्र के पुराना गंगा पुल के नीचे शुक्रवार दोपहर नहाने गए दो सगे भाइयों समेत सात किशोर गंगा में डूब गए। इनमें दो भाइयों समेत चार की मौत हो गई, जबकि तीन किशोरों को गोताखोरों ने बचा लिया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद गोताखोरों ने चारों के शव को बाहर निकाला। इधर चार किशोरों के डूबने की खबर सुनकर मौकेपर पहुंची एसएचओ कैंट ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।चकेरी के श्यामनगर न्योरा निवासी मो. अकील के बेटे आकिब (16) और अयाज (14) अर्सलान (15), रेहान (15), मोबिद, हम्जा व जैद के साथ घर से निकले थे।

डा. वर्मा की तीन पुस्तकों का विमोचन

प्रयागराज, (ब्यूरो)। उच्च शिक्षा निदेशक उप्र प्रयागराज डॉ. अमित भारद्वाज ने उप माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड, वरिष्ठ शिक्षाविद एवं राजकीय डिग्री कॉलेज गोसाई खेड़ा उन्नाव के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ आरपी वर्मा की तीन पुस्तकों का अपने कार्यालय में विमोचन किया। इनमें हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, हिंदी साहित्य का इतिहास, काल विभाजन एवं नामकरण और हिंदी पत्रकारिता और वर्तमान परिवेश में जनसंचार नामक पुस्तक थी। श्री भारद्वाज ने कहा कि चयन बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ शिक्षाविद डॉ आरपी वर्मा इतने कम समय में साहित्य, समाज की सेवा करते हुए युवा पीढ़ी को एक नई दिशा दे रहे है।

हिजबुल के शीर्ष कमांडर समेत तीन आतंकी ढेर

श्रीनगर, (एजेंसी)। अनंतनाग जिले के ऊपरी इलाके में अमरनाथ यात्रा मार्ग पर शुक्रवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में आंतकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन के एक शीर्ष कमांडर समेत तीन आतंकी मारे गये। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने कहा कि अनंतनाग जिले के ऊपरी इलाके में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में हिजबुल के लिए काम करने वाले सबसे पुराने आतंकियों में से एक मोहम्मद अशरफ खान उर्फ मौलवी और उसके दो साथी मारे गये। पहलगाम के श्रीचंद टॉप पर आतंकियों के छिपे होने की खुफिया जानकारी मिलने पर सुरक्षा बलों की संयुक्त टीमों ने आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू किया।

आज का इतिहास

- 1664: फ्रांस के सम्राट लुई चौदहवें ने वर्साय पैलेस का उद्घाटन किया।
- 1727: रूस की महारानी कैथरीन प्रथम ने यूक्रेन से यहुदियों को बाहर करने का आदेश दिया।
- 1775: तुर्की राज्य बुकोविना ऑस्ट्रिया से अलग हुआ।
- 1800: अमेरिका में इंडियाना प्रांत का गठन किया गया।
- 1832: यूनान ने स्वतंत्रता हासिल की, बावारिया को सम्राट चुना गया।
- 1861: प्रख्यात कवि रवींद्र नाथ टैगोर का जन्म।
- 1875: सिसली द्वीप के पास जर्मनी का जहाज टूटा, जिसमें 312 लोग मारे गए।
- 1907: बंबई (वर्तमान में मुंबई) में पहली विद्युत ट्राम कार चलाई गई।
- 1973: ईटानगर को अरुणाचल प्रदेश की राजधानी बनाया गया।

जोशीमठ से निकली रथयात्रा

केदारनाथ के पट खुलने के साथ ही बद्रीनाथ के कपाट खुलने की प्रक्रिया का श्रीगणेश भी हो गया। जिसके चलते जोशीमठ से बदरीनाथ मंदिर को शुक्रवार को रथयात्रा (डोली) निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

तीसरा बच्चा पैदा करने पर मिलेंगे 11.50 लाख

बीजिंग, (एजेंसी)। चीन विश्व में सबसे अधिक आबादी वाला देश हैं। देश में बढ़ती जनसख्या को लेकर चीनी सरकार ने एक से ज्यादा बच्चे पैदा करने पर सश्कत कानून लागू किए थे। लेकिन समय के चलते देश में बुजुर्गों की आबादी सबसे ज्यादा होने लगी तो चीनी सरकार ने कहा- अब आप एक से ज्यादा बच्चे पैदा कर सकते हैं। हालांकि, चीन की कंपनी अपने कर्मचारियों के लिए अच्छी स्कीम को लाती रहती हैं।

चीन में दूसरा बच्चा पैदा होने पर दिए जाएंगे सात लाख

इसके मुताबिक जो कर्मचारी तीसरा बच्चा पैदा करेगा उसे लगभग 11.50 लाख रुपए यानी की 90,000 चीनी युआन का इनाम दिया जाएगा और इसके साथ- साथ एक साल की छुट्टी भी दी जाएगी । तीसरा बच्चा होने पर महिला कर्मचारी को पूरे 1 साल की छुट्टी दी जाएगी ओर पुरूष कर्मचारी को सिर्फ नौ महीने का ही अवकाश दिया जाएगा। लेकिन अगर काम कर रहे कर्मचारी का दूसरा बच्चा है तो कंपनी की तरफ से 60,000 युआन यानी सात लाख रुपए का नकद इनाम दिया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तीन बच्चें पैदा करने की नीति इसलिए शुरू कि गई है क्योंकि चीन में अब सबसे ज्यादा बुजुर्गों की आबादी हैं। यह इसलिए है क्योंकि चीन की जनसख्यां तेजी से बढ़ रही थी इसी को रोकने के लिए 1980 में चीनी सरकार ने एक बच्चा नीति को लागू किया था।

ज्ञानवापी मस्जिद में हंगामे के बीच पहले दिन का सर्वे पूरा

वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी का विरोध कर रहे लोगों ने किया प्रदर्शन

वाराणसी ■ एजेंसी।

बाबा विश्वनाथ धाम कॉरिडोर के बाहर महौल में तनाव को देखते हुए शुक्रवार को पुलिस हर मौर्चे पर मुस्तैद थी। सर्वे के दौरान बाबा विश्वनाथ धाम कॉरिडोर के बाहर दोनों पक्षों की ओर से नारेबाजी हुई। हर हर महादेव और अल्लाह हूं अकबर के नारे जमकर लगाए गए। वाराणसी में शुक्रवार को काशी विश्वनाथ मंदिर और ज्ञानवापी मस्जिद के परिसर में वीडियोग्राफी की गई। इसके लिए अदालत ने आदेश जारी कर दिया था। सर्वे में शामिल होने के लिए 10 वकीलों की टीम भी ज्ञानवापी मस्जिद पहुंची।

आज भी जारी रहेगा सर्वे

10 तक अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा गया

बता दें कि पहले दिन का सर्वे का काम पूरा हो चुका है और अभी शनिवार को भी सर्वे का काम जारी रहेगा । वहीं, शुक्रवार को नमाज पढ़ने आए लोग कोर्ट के आदेश पर हो रहे सर्वे को लेकर विरोध जताते हुए नारेबाजी कर भी की। बाबा विश्वनाथ धाम कॉरिडोर के बाहर दोनों पक्षों की ओर से नारेबाजी हुई। हर हर महादेव और अल्लाह हूं अकबर के नारे जमकर लगाए गए। बाबा विश्वनाथ धाम कॉरिडोर के बाहर महौल में तनाव को देखते हुए पुलिस हर मौर्चे पर मुस्तैद है। पुलिस ने माहौल के तनाव को सुधारते हुए भीड़ को हटाने की कोशिश की। वहीं नारेबाजी के बाद पुलिस और समाज के कुछ लोगों माहौल को शांत कराया। वहीं शुक्रवार के दिन नमाज अदा करने भी बड़ी संख्या में लोग ज्ञानवापी मस्जिद में आए। ऐसे में सुरक्षित वीडियोग्राफी कराना वाराणसी प्रशासन के लिए एक चुनौती है। सर्वे के ठीक पहले सड़क से दिखने वाले मस्जिद के हिस्से को हरे परदे और होर्डिंग लगा कर को लगाकर ढका गया है।

हिंदू-मुसलमान पक्षकारों ने दिया तर्क

ज्ञानवापी परिसर में हिंदू समुदायों ने स्पष्ट किया कि कहा जाता था कि इस स्थान पर श्री बजरंग बली का भव्य मंदिर हुआ करता था ओर साथ ही में श्री गणेश जी की मूर्ति भी थी । हालांकि, एक ओर बयान दिया कि इस ज्ञानवापी मस्जिद के तहखाने में शिवलिंग की मूर्ति छुपी हुई हैं। इसी बात को लेकर मुद्दा गरमाया हुआ है अब इस बात में कितनी सच्चाई है वह सर्वे होने के बाद ही पता चलेगा वहीं दूसरी ओर मुस्लिम लोगों का कहना है कि हम यहां किसी भी अन्य समुदाए के लोगों को प्रवेश करने नहीं देंगे।

सुप्रीम कोर्ट के पहुंचे अधिवक्ता

कमीशन की कार्रवाई के दौरान निगरानी के लिए सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ताओं की टीम पहुंची है। वादी पक्ष से वरिष्ठ अधिवक्ता हरिशंकर जैन, पंकज गुप्ता व शिवम शुक्ल भी मौके पर मौजूद रहेंगे। हरिशंकर जैन ने अयोध्या राम मंदिर मुकदमे में भी हिंदू महासभा की ओर से सुप्रीम कोर्ट में बहस की थी।

यूक्रेन पर रूसी हमला | **72 वां दिन**

रूसी क्रूजर मोस्कोवा को निशाना बनाने अमेरिका ने दी थी जानकारी

वाशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिका ने काला सागर में डूबे रूस के शक्तिशाली युद्धपोत मोस्कोवा को निशाना बनाने के लिए यूक्रेन को खुफिया जानकारी दी थी। अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में इसका जिक्र किया।

अमेरिकी मीडिया ने किया दावा

रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा है, मोस्कोवा 13 अप्रैल को मरम्मत के लिए सेवस्तोपोल बंदरगाह के अपने रास्ते पर था, तभी आग लगने की वजह से इसमें विस्फोट हुआ और यह दुर्घटना का शिकार हो गया। हालांकि, वाशिंगटन और कीव की तरफ से बार-बार यह दावा किया जाता रहा है कि जहाज यूक्रेनी मिसाइल हमलों से नष्ट हुआ है। दो वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया, यूक्रेन के पास पहले से ही मोस्कोवा युद्धपोत को निशाना बनाने का डेटा मौजूद था और अमेरिका ने केवल इसके सही होने की पुष्टि की थी। हालांकि, इस कथित मिसाइल हमले के लिए अमेरिका की तरफ से मिली खुफिया जानकारी की काफी अहमियत थी।

एक अधिकारी ने कहा है कि अमेरिका ने जहाज के मौजूद रहने की जगह के बारे में बताने के अलावा भी काफी मदद की है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस दुर्घटना में एक सैनिक की मौत हुई है और चालक दल के अन्य 27 सदस्य अभी भी लापता हैं। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, चालक दल के बाकी 396 सदस्यों को अन्य जहाजों से सेवस्तोपोल पहुंचाया गया।

श्रीलंका में राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने आधी रात से आपातकाल का किया ऐलान

कोलंबो, (एजेंसी)। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे ने बड़े पैमाने पर आर्थिक संकट को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शन बीच आधी रात से आपातकाल की स्थिति का ऐलान किया है। शुक्रवार को श्रीलंका की संसद में धावा बोलने की कोशिश कर रहे छात्रों पर पुलिस ने फिर से आंसू गैस के गोले दागे और पानी की बौछार की। आर्थिक संकट से निपटने में नाकाम रहे राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और उनकी सरकार के इस्तीफे की मांग को लेकर व्यापार संघ ने शुक्रवार को देशव्यापी हड़ताल की। देश में जारी भीषण आर्थिक संकट के चलते सरकार विरोध प्रदर्शनों का सामना कर रही है और उसके इस्तीफे की मांग जोर पकड़ती जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने आजम खान पर हाईकोर्ट में दिसंबर से फैसला सुरक्षित रहने पर जताई नाराजगी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने समाजवादी पार्टी के नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री आजम खान की जमानत अर्जी पर फैसला करने में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की देरी पर शुक्रवार को अपनी नाराजगी व्यक्त की।

उच्च न्यायालय ने पिछले साल दिसंबर में जमानत अर्जी पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस बीच याचिकाकर्ता ने अंतरिम जमानत के लिए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था, जहां उन्हें उच्च न्यायालय में जाने का निर्देश दिया गया था।

न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति बी. आर. गवई की पीठ ने याचिकाकर्ता खान को 87 मामलों में से 86 में जमानत मिलने तथ्य पर गौर किया तथा कथित तौर पर जमीन हड़पने के एक मामले में जमानत पर फैसला करने में देरी पर नाराजगी जताते हुए सख्त टिप्पणियां कीं।

पीठ ने उच्च न्यायालय को दो दिनों का और मौका देते हुए कहा, अब फैसला सुरक्षित नहीं रखा जा सकता है। 137 दिनों मे कोई आदेश पारित नहीं किया गया है। उन्हें (आजम खान को) 86 मामलों में जमानत पर रिहा किया गया था। यह एक मामला है। हम केवल इतना ही कह सकते हैं कि यह (इस हालत में जमानत पर फैसले में में देरी) न्याय का मजाक है। यदि आवश्यकता होगी तो आने वाले बुधवार को हम और कुछ कहेंगे। आइए हम उन्हें (उच्च न्यायालय को) दो दिनों का मौका दें।

उत्तर प्रदेश के सीतापुर के जेल में बंद पूर्व मंत्री खान के एक वकील ने अदालत के समक्ष कहा कि उच्च न्यायालय ने पिछले साल दिसंबर में जमानत अर्जी पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था, लेकिन राज्य सरकार को गुरुवार को एक हलफनामा दाखिल करके रिकॉर्ड पर नई सामग्री लाने की अनुमति दी।

यह मामला उत्तर प्रदेश रामपुर में मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय परियोजना के लिए जमीन हड़पने के आरोप से जुड़ा हुआ है।

इस मामले पर शीर्ष अदालत 11 मई को अगली सुनवाई करेगी।

पूर्व सांसद खान ने विधानसभा चुनाव प्रचार में भाग लेने के लिए फरवरी में शीर्ष अदालत से अंतरिम जमानत की गुहार लगाई थी। तब शीर्ष अदालत ने उनकी अर्जी अस्वीकार करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय के समक्ष जाने को कहा था, जहां उनकी जमानत याचिका लंबित है।

अक्टूबर-दिसंबर 2021 में बेरोजगारी दर 8.7 फीसदी

नयी दिल्ली। कोरोना महामारी के उतार और आर्थिक गतिविधियों के धीरे धीरे गति पकड़ने के कारण पिछले वर्ष अक्टूबर से दिसंबर की तिमाही में बेरोजगारी की दर 8.7 प्रतिशत दर्ज की गयी है जबकि वर्ष 2020 में इसी अवधि के दौरान यह आंकड़ा 10.3 प्रतिशत रहा था।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां बताया कि ह्यपाक्षिक श्रम बल सर्वेक्षण - तिमाही बुलेटिन - अक्टूबर- दिसंबर 2021 के अनुसार कोरोना महामारी के उतार का रुख दिखायी दे रहा है और आर्थिक गतिविधियां शुरू हो रही है। सर्वेक्षण में आलोच्य अवधि के दौरान देश भर के 5691 औद्योगिक संकुलों को शामिल किया गया है। इनमें 44 हजार 553 शहरी परिवारों के एक लाख 72 हजार 944 लोगों ने भाग लिया।

सर्वेक्षण के अनुसार अक्टूबर - दिसंबर 2021 की तिमाही में पुरुषों की बेरोजगारी दर 8.3 प्रतिशत और महिलाओं की बेराजगारी दर 10.5 प्रतिशत रही है। कुल बेरोजगारी की दर 8.7 प्रतिशत रही है। इससे पिछली तिमाही जुलाई से सितंबर की अवधि में बेरोजगारी दर 9.8 प्रतिशत दर्ज की गयी थी। वर्ष 2020 में अक्टूबर से दिसंबर की अवधि में बेरोजगारी दर 10.3 प्रतिशत थी।

मानव तस्करी रोकने के लिए आरपीएफ-बीबीए के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

नयी दिल्ली। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी की संस्था बचपन बचाओ आंदोलन (बीबीए) के बीच शुक्रवार को मानव तस्करी रोकने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए।

इस एमओयू का उद्देश्य देश में मानव तस्करी पर लगाम लगाने के लिए छापेमारी, बचाव सहायता, क्षमता निर्माण एवं जागरुकता लाना है तथा विभिन्न स्त्रोतों का इस्तेमाल करके लोगों को जागरुक करना है।

बीबीए और आरपीएफ ने अपने साझा बयान में कहा, बचपन बचाओ आंदोलन और आरपीएफ के लोगों के लिए तकनीकी सहयोग, प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यशाला का आयोजन करेगा। इस अवसर पर बचपन बचाओ आंदोलन की सीईओ रजनी सेखरी सिबल ने कहा, देश में बच्चों की तस्करी रोकने के लिए रेलवे सुरक्षा बल के साथ जुड़कर काम करने में हमें गर्व महसूस हो रहा है।

उन्होंने कहा कि कोरोना काल के दौरान 'बचपन बचाओ आंदोलन' ने 10 हजार से ज्यादा बच्चों को तस्करी से बचाया था। इनमें से ज्यादातर रेलवे स्टेशनों से बचाए गए थे। हम भविष्य में भी रेलवे सुरक्षा बल के साथ काम करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं।

आरपीएफ के निदेशक जनरल संजय चंदर ने मानव तस्करी के खिलाफ लड़ाई में बीबीए की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि इस समझौते से इस लड़ाई को और मजबूती मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि बीबीए की स्थापना नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी ने 1980 में की थी। इसका मकसद बच्चों के खिलाफ होने वाली किसी भी हिंसा को खत्म करना और एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण करना है, जहां सभी बच्चे मुक्त, स्वस्थ एवं सुरक्षित हों और उन्हें अच्छी शिक्षा मिले।

प्रगति विवरण सागरमाला परियोजना की समीक्षा बैठक के बाद केंद्रीय जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवल

जलमार्ग आर्थिक प्रगति में मील का पत्थर साबित होंगे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने जलमार्ग को पर्यावरण के अति अनुकूल परिवहन बताते हुए कहा है कि इससे देश के विभिन्न हिस्सों में कम दाम पर माल की ढुलाई की जा सकेगी और यह परिवहन आने वाले समय में देश की प्रगति में मील का पत्थर साबित होगा।

श्री सोनोवाल ने शुक्रवार को यहां सागरमाला परियोजना की समीक्षा को लेकर आयोजित राष्ट्रीय सर्वोच्च समिति की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद संवाददाता सम्मेलन में देश के जलमार्गों की प्रगति का विवरण देते हुए बताया कि इस साल की शुरुआत में पटना से गुवाहाटी तक 200 टन खाद्यान्न की ढुलाई की गई है। इसी तरह से हल्दिया से गुवाहाटी के बीच 2000 टन इस्पात की ढुलाई गंगा, हुगली, मेघना, ब्रमपुत्र नदियों से की गई।

उन्होंने कहा कि नदी मार्ग से माल की ढुलाई बहुत सस्ती पड़ती है और लोगों को कहीं भी कम दाम पर सामान उपलब्ध कराने का इससे बेहतर कोई जरिया नहीं है। नदी मार्ग से कोयला, रसोई गैस के सिलेंडर, उर्वरक के कंटेनर आदि की ढुलाई कम दाम पर की जा सकती है। इसका सबसे ज्यादा लाभ पूर्वोत्तर के राज्यों को होगा और वहां जल मार्ग के जरिए नागरिकों को सस्ते दाम पर सामान की आपूर्ति की जा सकेगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जलमार्ग से कम दूरी के लिए लोगों की आवाजाही को भी आसान बनाया जा सकता है। यात्रियों को ले जाने के लिए कोच्चि शिपियार्ड ने कोच्चि मेट्रो रेल से 23 हाईब्रिड इलेक्ट्रिक बोट खरीदी हैं और इनमें से प्रत्येक नाव की क्षमता सौ सवारियों को ले जाने की है। उनका कहना था कि इस तरह की सेवाएं पांच और स्थानों वाराणसी, पटना, कोलकाता, गुवाहाटी और डिब्रूगढ़ में देने पर भी विचार किया जा रहा है।

सागरमाला की 802 परियोजनाएं 2035 तक होंगी पूरी : सोनोवाल

पत्तन, पोत और जल मार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा है कि सागरमाला परियोजना देश के आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभा रही है और इसके तहत 802 परियोजनाओं पर काम चल रहा है जिनके 2035 तक पूरा होने की उम्मीद है। श्री सोनोवाल ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रीय सागरमाला सर्वोच्च समिति की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सागरमाला परियोजना मोदी सरकार की संकल्पना है और अपनी सात साल की अवधि के दौरान इस परियोजना के तहत तटीय क्षेत्रों में गतिविधियां बढ़ी हैं और इस कार्यक्रम के कारण देश की आर्थिक प्रगति को महत्वपूर्ण गति मिली है। उन्होंने कहा कि सागरमाला परियोजना के तहत इस समय साढ़े पांच लाख करोड़ रुपए की 802 परियोजनाओं पर काम चल रहा है।

तमन्ना भाटिया ने 'बबली बाउंसर' शूटिंग पूरी की

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया की आगामी फिल्म 'बबली बाउंसर' की शूटिंग पूरी हो गई है। इसकी जानकारी खुद फिल्म के निर्देशक मधुर भंडारकर ने सोशल मीडिया पर फिल्म के सेट से कुछ तस्वीरें व वीडियो साझा करते हुए दी हैं, जिनमें फिल्म की पूरी टीम एक साथ नजर आ रही है । इसके साथ ही मधुर भंडारकर ने कैप्शन में लिखा-'बबली बाउंसर की शूटिंग पूरी। 3 महीने, 42 दिन। शानदार यादें, प्यारी दोस्ती, शानदार टीम-वर्क, सुपर फन। मेरे सभी अभिनेताओं, तकनीशियनों और शुरूआत से लेकर अंत तक योगदान देने वाले सभी लोगों को बहुत-बहुत धन्यवाद!' फिल्म बबली बाउंसर की कहानी एक महिला बाउंसर की जिंदगी पर आधारित है। फिल्म में तमन्ना टाइटल रोल बबली के किरदार में नजर आएंगी फिल्म में तमन्ना के अलावा सौरभ शुक्ला, अभिषेक बजाज और साहिल वैद भी अहम रोल में हैं। फिल्म को फॉक्स स्टार स्टूडियोज और जंगली पिक्चर्स साथ मिलकर प्रोड्यूस करेंगे। वहीं फिल्म का निर्देशन महिला किरदारों को मजबूती से पर्दे पर दिखाने के लिए मशहूर निर्देशक मधुर भंडारकर कर रहे हैं। यह फिल्म इस साल के अंत तक तीन भाषाओं हिंदी, तमिल और तेलेगु में रिलीज की जाएगी ।

एआर रहमान की बेटी खतीजा की शादी की पहली तस्वीर आई सामने

हिंदी सिनेमा के मशहूर और दिग्गज संगीतकार एआर रहमान आज पूरी दुनिया में अपना नाम कमा चुके हैं। रहमान के फैंस के लिए एक बड़ी खबर सामने आ रही है। इस वक्त एआर रहमान के घर में इस वक्त खुशियों का माहौल है। जी हां, दिग्गज सिंगर एआर रहमान की बेटी खतीजा ने शादी कर ली है। बेटी की शादी की खबर खुद रहमान ने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर की है। रहमान के शादी की खबर का ऐलान करते ही सोशल मीडिया पर फैंस से लेकर स्टार्स तक उन्हें जमकर बधाई दे रहे हैं।

एआर रहमान की बेटी खतीजा ने रियासदीन रियान से शादी रचा ली हैं। रियान पेशे से एंटरप्रिन्योर और एक ऑडियो इंजीनियर हैं। रहमान ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर बेटी की शादी की पहली तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ ही उन्होंने लोगों की शुभकामनाओं के लिए शुक्रिया अदा किया। तस्वीर शेयर करते हुए रहमान ने कैप्शन में लिखा है, 'ईश्वर कपल को आशीर्वाद दें..आपकी शुभकामनाओं और प्यार के लिए धन्यवाद।' इस पोस्ट के सामने आते ही सोशल मीडिया पर बधाई की बाढ़ आ गई है। हर कोई उन्हें बेटी की सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करते हुए बधाई दे रहा है। अबतक इस तस्वीर को लाखों से ज्यादा लाइक्स आ गए हैं। इस शादी में उनके रहमान और रियान के करीबी रिश्तेदार मौजूद थे।

वहीं अब खतीजा रहमान और रियान के लुक की बात करें तो शादी के दौरान दोनों काफी रॉयल लग रहे थे। दोनों ने अपनी शादी के दिन सफेद रंग में आउटफिट में में दिखाई दे रहे हैं। खतीजा ने फ्लोरल कुर्ता और रियान ने सफेद शेरवानी पहनी है। साथ ही खतीजा हिजाब पहने नजर आ रही हैं। वहीं जहां खतीजा और रियान सोफे पर बैठे हुए हैं। वहीं उनके पीछे रहमान अपनी पत्नी और दो बच्चे अम्मान और रहीमा संग फैमिली फोटो में पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। फ्रेम में ए आर रहमान की दिवंगत मां करीमा की तस्वीर भी नजर आ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, खतीजा रहमान ने 29 दिसंबर को रियासदीन शेख मोहम्मद से सगाई की थी। इसी दिन खतीजा का बर्थडे भी था। वहीं कम लोह ही जानते हैं कि एआर रहमान की बेटी खतीजा भी एक सिंगर हैं और उन्होंने तमिल फिल्मों के लिए कुछ गाने गाए हैं।

आलिया-रणबीर की रिसेप्शन पार्टी में नहीं जाना चाहती थी : मलाइका अरोड़ा

पिछले महीने एक्सीडेंट का शिकार हुई मलाइका अरोड़ा हाल ही रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की रिसेप्शन पार्टी में नजर आई थीं। जिसे लेकर एक्ट्रेस ने अब खुलासा किया है कि वह इस पार्टी में नहीं जाना चाहती थीं क्योंकि वह काफी डरी हुई थीं और कार में बैठने की हिम्मत भी नहीं जुटा पा रही थीं। मलाइका की ये हालत उनके साथ हुए सड़क हादसे के कारण हुई थी। एक्सीडेंट के बाद मलाइका अरोड़ा पहली बार रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की रिसेप्शन पार्टी में नजर आई थीं। इस पार्टी में एक्ट्रेस न्यूली वेड कपल को विश करने के लिए बॉयफ्रेंड अर्जुन कपूर के साथ पहुंची थीं। जिसे लेकर एक्ट्रेस ने अब खुलासा किया है कि उन्होंने इस पार्टी में जाने के लिए खुद को कैसे मनाया था क्योकि उनके साथ हुए कार एक्सीडेंट ने उन्हें अंदर हिला कर रख दिया था और वह बेहद डर गई थीं। एक अखबार से बात करते हुए मलाइका ने बताया, ह्मैं फिजिकली तो पूरी तरह फिट हूं लेकिन मानसिक रूप से अभी हिली हुई हूं। डर, चिंता और घबराहट होती है। कहीं भी जाने से पहले मुझे खुद को बहुत समझाना पड़ता है। यहां तक कि रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की पार्टी में भी शामिल होने के लिए भी बड़ी मुश्किल से खुद को समझाया, मुझे पार्टी में शामिल होने के लिए खुद को काफी मनाना पड़ा था। कार में बैठने से ज्यादा, कार के आस-पास लोगों को देख कर ही परेशान हो जाती हूं। अब मैं कार में बैठते ही सीट बेल्ट लगा लेती हूं, भले ही पिछली सीट पर क्यों ना बैठी हूं।' मलाइका अरोड़ा ने हादसे की रात के बारे में बात करते हुए ये भी खुलासा किया कि उनके मन में उस वक्त क्या चल रहा था। एक्ट्रेस ने कहा, 'एक्सीडेंट के बाद मैं सिर्फ दो चीजें के लिए प्रार्थना कर रही थींङ्घउस रात मैं मरना नहीं चाहती थी और मैं अपनी आंखों की रोशनी खोना नहीं चाहती थी। मुझे बताया गया कि जब एक्सीडेंट हुआ तो मैं लगातार अपनी मां और बेटे अरहान के बारे में पूछ रही थी। इसके अलावा मैं सेट पर जाने के बारे में भी बड़बड़ा रही थी।ह्व मलाइका अरोड़ा का बीते महीने पुणे से मुंबई आते वक्त कार एक्सीडेंट हो गया था। इस हादसे में उनके चेहरे पर कुछ चोटें आई थी। जिसके घाव उन्होंने कुछ दिनों पहले ही सोशल मीडिया के जरिए फैंस के साथ साझा किया था।

शादी के बाद पहली बार एक साथ नजर आए आलिया-रणबीर

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर बीते महीने 14 अप्रैल को शादी के बंधन में बंधकर एकदूजे के हुए हैं। दोनों की शादी और उनसे जुड़ी रस्मों की तस्वीरें एक के बाद एक अभी तक सानमे आ रही हैं। फैंस भी कपल के पोस्ट को काफी पसंद करते हैं। शादी के बाद आलिया और रणबीर काम पर लौट चुके हैं और अपनी फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं। शूटिंग की वजह से दोनों हनीमून के लिए भी बाहर नहीं गए। वहीं शादी के बाद बीती शाम पहली बार रणबीर-आलिया एक साथ नजर आए। इस दौरान का उनका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में बना हुआ है। दोनों को एक साथ देखकर फैंस काफी खुश नजर आ रहे हैं। आलिया भट्ट और रणबीर कपूर बीती शाम शूट खत्म करके लौट रहे थे। इसी दौरान पैपराजी ने उन्हें कैमरे में कैद करने का मौका हाथ से जानें नहीं दिया। दोनों एक ही रंग में रंगे नजर आए। वीडियो में आप देख सकते हैं कि आलिया ने पति रणबीर के साथ ब्लैक आउटफिट में ट्यूनिंग की हुई है। रणबीर ने ब्लैक टी-शर्ट और लोअर पहना हुआ था। तो वहीं आलिया ने ब्लैक शर्ट के साथ जैगिन्स कैरी की हुई है। कैजुअल लुक में ये न्यूली कपल काफी खूबसूरत दिख रहा है। दोनों पैपराजी को हाय-हैलो बोलते हुए कार में बैठ गए। इस वीडियो को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। साथ ही इस पर लगातार कमेंट्स की बौछार हो रही है। रणबीर-आलिया के इस वीडियो पर कमेंट कर फैंस उनसे तरह-तरह के मजेदार सवाल पूछते दिख रहे हैं। एक फैन ने कमेंट कर पूछा- 'आलिया जी के हबी।' तो वहीं दूसरा लिखता है, 'अरे रणबीर शादी पार्टी में दही-चावल था कि नहीं आलिया को काफी पसंद है ना।' तो वहीं एक फैन ने पूछा- 'राखी सावंत को शादी में जूते छिपाने के 1 करोड़ रुपये मिल गए क्या?' ऐसे कई और मजेदार कमेंट इस वीडियो पर किए गए हैं। रणबीर-आलिया की अपकमिंग फिल्म की बात करें तो दोनों अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करते दिखेंगे। अयान की ये फिल्म तीन पार्ट आएगी। पहला पार्ट इसी साल 9 सितंबर को रिलीज होगा तो बाकी बाद में आएंगे। इसमें आलिया और रणबीर के अलावा अमिताभ बच्चन, नागुर्जन, मौनी रॉय और डिंपल कपाड़िया लीड रोल में होंगे। फिल्म का पहला गाना 'केसरिया' रिलीज हो चुका है, जो कि हिट हो गया है। ये गाना इनकी शादी के मौके पर रिलीज किया गया था।

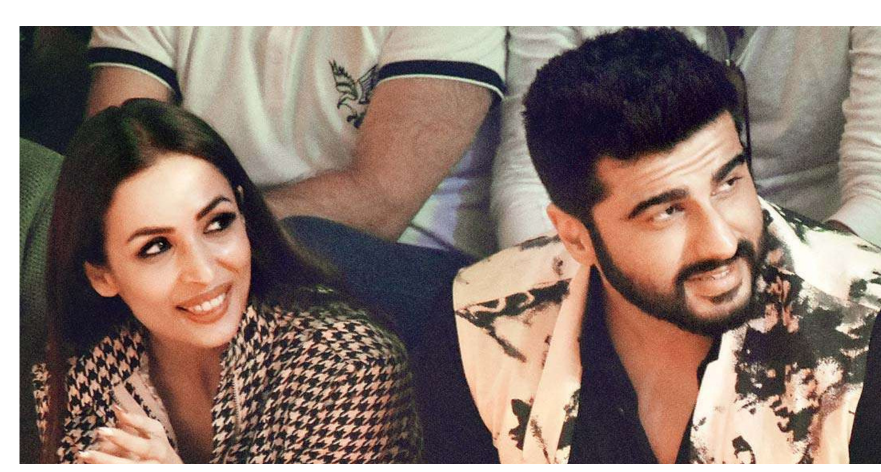

अर्जुन कपूर संग शादी करने वाली हैं मलाइका अरोड़ा?

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर और अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा लंबे समय से अपने रिश्ते को लेकर चर्चा में हैं। दोनों एक-दूसरे को लंबे वक्त से डेट भी कर रहे हैं। अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा के फैंस उनकी शादी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच मलाइका अरोड़ा ने अर्जुन कपूर के साथ शादी करने को लेकर बड़ा बयान दिया है।

अभिनेत्री ने कहा है कि वह दोनों अपने रिश्तो को भविष्य के तौर पर देखते हैं। मलाइका अरोड़ा अपने लिए अर्जुन कपूर को सबसे परफेक्ट इंसान मानती हैं, और वह दोनों अक्सर अपने रिश्ते को आगे के मुकाम पर पहुंचाने के बारे में चर्चा करते रहते हैं। मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में एक अंग्रेजी वेबसाइट से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपनी निजी जिंदगी को लेकर ढेर सारी बातें कीं।

मलाइका अरोड़ा ने अर्जुन कपूर के साथ अपने फ्यूचर प्लान के बारे में बात करते हुए कहा, 'सबसे जरूरी बात यह है कि अगर हम जानते हैं कि हमारा एक साथ भविष्य चाहते हैं। यदि आप ऐसे रिश्ते में हैं जहां आप अभी भी चीजों को समझ रहे हैं और कह रहे हैं, 'ओह, मुझे नहीं पता'... लेकिन यह वह जगह नहीं है जहां मैं अपने रिश्ते में खड़ी हूं। यह मेरे लिए खास और जरूरी है।'

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि हम अपने रिश्ते में एक ऐसी जगह पर हैं जहां हम उसके अगले हिस्से के बारे में सोच रहे हैं। हम चीजों पर बहुत चर्चा करते हैं। हम एक ही लेवल पर हैं। एक-दूसरे की सोच और आइडिया के साथ। हम सच में एक दूसरे को चाहते हैं। हम एक मैच्योर परिस्थिती में हैं जहां अभी और चीजों की जगह है, लेकिन हम अपने भविष्य को एक साथ देखते और यह देखना पसंद करेंगे कि हम इसे यहां से कहां ले जा सकते हैं।' मलाइका अरोड़ा ने कहा, 'हम इसके बारे में हंसते और मजाक करते हैं, लेकिन हम इसको लेकर बहुत गंभीर भी हैं। आपको अपने रिश्ते में पॉजिटिव और सुरक्षित महसूस करना होगा। मैं बहुत खुश और पॉजिटिव हूं। अर्जुन मुझे आत्मविश्वास और निश्चितता देता है। हां, मुझे नहीं लगता कि हमें एक साथ सभी कार्ड खोलने चाहिए। हम अभी भी अपनी जिंदगी और रोमांस को हर दिन एक साथ प्यार करते हैं। मैं हमेशा उनसे कहती हूं कि मैं तुम्हारे साथ बूढ़ी होना चाहती हूं। हम बाकी का पता लगा लेंगे, लेकिन मुझे पता है कि वह मेरा लिए बिल्कुल सही हैं'।

मैड्रिड ओपन: सेमीफाइनल में पहुंचे जोकोविच

हरकाज को 6-3, 6-4 से शिकस्त दी

मैड्रिड। सीजन का पहला खिताब जीतने की कोशिश में लगे विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने पोल ह्यूबर्ट हरकाज को 6-3, 6-4 से हराकर मैड्रिड ओपन के अपने सातवें सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

जोकोविच ने 78 मिनट के बाद आगे बढ़ने के लिए अपने अच्छे शॉट के साथ अंक नियंत्रित किए और हरकाज के खिलाफ अपने एटीपी हेड-टू-हेड श्रृंखला रिकॉर्ड को 4-0 से आगे बढ़ाने में कामयाब रहे। सर्बियाई खिलाड़ी पिछले महीने बेलग्रेड में फाइनल में पहुंचे थे और वह साल के अपने चौथे इवेंट में स्पेन की राजधानी में और लय हासिल करना चाहेंगे। इस हफ्ते की शुरुआत में जोकोविच ने मैच में गेल मोनफिल्स को हराया था, ताकि वह एंडी मरे से वॉकओवर प्राप्त करने से पहले सोमवार से एटीपी रैंकिंग में विश्व नंबर 1 के रूप में रिकॉर्ड 369वें सप्ताह के रिकॉर्ड का विस्तार कर सकें। शीर्ष वरीयता प्राप्त विश्व के तीसरे नंबर के राफेल नडाल या स्पेन के कार्लोस अल्काराज से भिड़ेंगे जो उनका 72वां एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल होगा।

12वीं सीनियर नेशनल वुमन हॉकी चैंपियनशिप का आगाज

भोपाल। मध्यप्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने शुक्रवार को 12वीं सीनियर नेशनल वुमन हॉकी चैंपियनशिप-2022 का शुभारंभ किया। यशोधरा ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर अच्छे प्रदर्शन की शुभकामनाएं दी। प्रमुख सचिव खेल एवं युवा कल्याण श्रीमती दीप्ति गौड़ मुखर्जी, संचालक रवि कुमार गुप्ता और बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित थे।

चैंपियनशिप के पहले दिन कर्नाटक और अररूणाचल प्रदेश के बीच खेले गए मुकाबले में कर्नाटक ने अरूणाचल प्रदेश को 10-0 से शिकस्त दी। वहीं उत्तर प्रदेश ने गोआ की टीम को 8-0 से हराकर अपना पहला मैच जीता। इसी क्रम में दिल्ली की महिला हॉकी टीम ने गुजरात को 13-0 से हराकर जीत हासिल की। हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा की टीम ने बेहतर प्रदर्शन कर तेलंगाना को 14-0 करारी मात दी।उल्लेखनीय है कि 12वीं सीनियर नेशनल वुमन हॉकी चैंपियनशिप 2022 में देश की बेहतरीन 27 टीमें अगले 11 दिन भोपाल में अपना हुनर दिखाएंगी। मेजवान मध्यप्रदेश के अलावा चंडीगढ़, बिहार, हरियाणा, असम, बंगाल, पंजाब, छत्तीसगढ़, त्रिपुरा, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तराखंड, झारखंड, आंध्र प्रदेश, पंडुचेरी, कर्नाटक, तमिल नाडु, अरुणाचल प्रदेश, अंडमान और निकोबार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, गोआ, गुजरात, केरल, तेलंगाना, ओडिशा और हिमाचल प्रदेश की टीमें शामिल हैं। चैंपियनशिप में इन टीमों को 8 पूलों में बांटा गया है। पूल ए में मप्र, चंडीगढ़ और बिहार, पूल बी में हरियाणा, असम, बंगाल शामिल हैं।

गेंदबाजों ने मुंबई को दिलाई दूसरी जीत

अंतिम ओवर में जीत के लिए 9 रन चाहिए थे, सैम्स ने दिए तीन रन, पांच रन से हारा गुजरात

मुंबई (एजेंसी)। मैन ऑफ द मैच टिम डेविड की तूफानी पारी और डेनियल सैम्स के आखिरी जबरदस्त ओवर के दम पर मुंबई इंडियंस ने चोटी की टीम गुजरात टाइटंस को आईपीएल मुकाबले में शुक्रवार को पांच रन से हराकर दूसरी जीत दर्ज की।

गुजरात को आखिरी ओवर में जीत के लिए नौ रन चाहिए थे लेकिन सैम्स ने गुजरात को उसकी मंजिल पर जाने से पहले रोक दिया। मुंबई ने ईशान किशन (45), कप्तान रोहित शर्मा (43) और टिम डेविड (नाबाद 44) की आतिशी पारियों से 20 ओवर में छह विकेट पर 177 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया और फिर गुजरात को 20 ओवर में पांच विकेट पर 172 रन पर रोक दिया। ईशान और रोहित ने मुंबई के टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते ओपनिंग साझेदारी में 74 रन जोड़े। रोहित और इशान की शुरुआत शानदार रही थी और आधी पारी की समाप्ति पर लग रहा था कि मुंबई 200 का आंकड़ा पार कर जाएगी। हालांकि लगातार अंतराल पर विकेट लेकर गुजरात ने रन गति पर अंकुश लगाया और वापसी की। अंतिम ओवरों में टिम डेविड की आतिशी पारी ने मुंबई को 170 के पार पहुंचाया। रोहित ने 43 रन में पांच चौके और दो छक्के लगाए। ईशान ने 45 रन में पांच चौके और एक छक्का लगाया। तिलक वर्मा ने 21 रन बनाये जबकि डेविड ने 21 गेंदों पर नाबाद 44 रन में दो चौके और चार छक्के लगाए। गुजरात की तरफ से राशिद खान ने 24 रन पर दो विकेट लेने के अलावा दो कैच भी लपके। अलजारी जोसफ, लॉकी फ़र्ग्युसन और प्रदीप सांगवान के हिस्से में एक-एक विकेट आया।

ऋद्धिमान साहा और शुभमन गिल के अर्धशतक बेकार

लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात की टीम को सलामी बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा (55) और शुभमन गिल (52) ने शानदार शुरुआत देते हुए पहले विकेट के लिए 106 रन जोड़े। इसके बाद मुंबई ने जोरदार वापसी की। मुरुगन अश्विन ने साहा और गिल को पवेलियन भेजा। इसके बाद हार्दिक और सुदर्शन बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। आखिरी दो ओवर में गुजरात को 20 रनों की दरकार थी। 19वें ओवर में बुमराह ने 11 रन खर्च किए। आखिरी ओवर में गुजरात को 9 रन की जरुरत थी डेनियल सैम्स ने शानदार गेंदबाजी करते हुए मात्र 3 ही रन खर्च किए और तेवतिया को इसी ओवर में रन आउट करवा दिया। मुंबई के लिए मुरुगन अश्विन ने दो और किरोन पोलार्ड ने एक विकेट लिया वहीं जसप्रीत बुमराह मंहगे साबित हुए उन्होंने चार ओवर में बिना कोई विकेट लिए 48 रन दिए।

पर्पल कैप

खिलाड़ी	टीम	विकेट
युजवेंद्र चहल	राजस्थान	19
कुलदीप यादव	दिल्ली	18
कगिसो रबाडा	पंजाब	17

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	टीम	रन
बटलर	राजस्थान	588
केएल राहुल	लखनऊ	451
शिखर धवन	पंजाब	369

आईपीएल 2022 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
गुजरात	11	08	03	16	0.120
लखनऊ	10	07	03	14	0.397
राजस्थान	10	06	04	12	0.340
बेंगलुरु	11	06	05	12	-0.444
दिल्ली	10	05	05	10	0.641
हैदराबाद	10	05	05	10	0.325
पंजाब	10	05	05	10	-0.229
कोलकाता	10	04	06	08	0.060
चेन्नई	10	03	07	06	-0.431
मुंबई	10	02	08	04	-0.725

स्कोर बोर्ड

मुंबई इंडियंस	रन	गेंद	4/6
किशन कै. राशिद बो. जोसेफ	45	29	5/1
रोहित शर्मा पगबाधा राशिद	43	28	5/2
सूर्यकुमार कै. राशिद बो. सांगवान	13	11	0/1
तिलक वर्मा रन आउट	21	16	2/0
किरोन पोलार्ड बो. राशिद	04	14	0/0
टिम डेविड नाबाद	44	21	2/4
सैम्स कै. राशिद बो. फर्ग्युसन	00	02	0/0
मुरुगन अश्विन नाबाद	00	00	0/0

अतिरिक्त: 07, **कुल:** 20 ओवर में छह विकेट पर 177 रन **विकेट पतन:** 1-74, 2-99, 3-111, 4-119, 5-157, 6-164 **गेंदबाजी:** मोहम्मद शमी 4-0-42-0, अल्जारी जोसेफ 4-0-41-1, राशिद खान 4-0-24-2, लॉकी फर्ग्युसन 4-0-34-1, प्रदीप सांगवान 3-0-23-1, राहुल तेवातिया 1-0-11-0,

गुजरात टाइटंस	रन	गेंद	4/6
साहा कै. सैम्स बो. मुरुगन	55	40	6/2
शुभमन गिल कै. पोलार्ड बो. मुरुगन	52	36	6/2
हार्दिक पांड्या रन आउट	24	14	4/0
सुदर्शन हिट विकेट बो. पोलार्ड	14	11	1/1
डेविड मिलर नाबाद	19	14	1/1
राहुल तेवतिया रन आउट	03	04	0/0
राशिद खान नाबाद	01	01	0/0

अतिरिक्त: 4 **कुल:** 20 ओवर मे पांच विकेट पर 172 रन **विकेट पतन:** 1-106, 2-111, 3-138, 4-156, 5-171 **गेंदबाजी:** डेनियल सैम्स 3-0-18-0, बुमराह 4-0-48-0, मुरुगन अश्विन 4-0-29-2, रायली मेरेडिथ 4-0-32-0, कुमार कार्तिकेय 3-0-29-0, कीरोन पोलार्ड 2-0-13-1,

कोरोना के कारण 19वें एशियाई खेल स्थगित

सीओसी, हागोक और ओसीए ने लिया फैसला

हांगझाऊ। एशियाई ओलंपिक परिषद ने शुक्रवार को घोषणा की कि चीन के हांगझाऊ में 10 से 25 सितम्बर तक होने वाले 19वें एशियाई खेल स्थगित कर दिए गए हैं और इन खेलों के लिए नयई तारीखों की घोषणा निकट भविष्य में की जायेगी। परिषद ने कहा, चीनी ओलंपिक कमेटी (सीओसी) और हांगझाऊ एशियाई खेल आयोजन समिति (हागोक) के साथ विस्तृत बातचीत के बाद एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) के कार्यकारी बोर्ड ने चीन के हांगझाऊ में 10 से 25 सितंबर तक होने वाले 19वें एशियाई खेलों को स्थगित करने का फैसला लिया है। विज्ञप्ति में कहा गया, 19वें एशियाई खेलों की नई तारीख ओसीए, सीओसी और हागोक मिलकर निर्धारित करेंगे जिसकी घोषणा निकट भविष्य में की जाएगी।

ओसीए ने कहा कि यह निर्णय खेलों के आकार और कोरोना महामारी को देखते हुए सभी पक्षों की सहमति से लिया गया है। 19वें एशियाई खेलों का नाम और चिन्ह बदला नहीं जाएगा। इसके अलावा ओसीए के कार्यकारी बोर्ड ने इस साल चीन के शांतोउ में 20 से 28 सितंबर तक होने वाले तीसरे एशियाई युवा खेलों की स्थिति का भी अध्ययन किया। सीओसी और आयोजन समिति के साथ चर्चा के बाद कार्यकारी बोर्ड ने फैसला किया कि एशियाई युवा खेल शांतोउ 2021 को एक बार स्थगित किया जा चुका है, इसलिए इन्हें रद्द कर दिया जाएगा और अगले एशियाई युवा खेल 2025 में उज्बेकिस्तान के ताशकंद में आयोजित किये जाएंगे।

एशियाई खेलों की तैयारी के लिए और समय मिलेगा: पीआर श्रीजेश

एशियाई खेलों के स्थगित होने से देश के अधिकांश खिलाड़ियो निराश है लेकिन भारतीय हॉकी टीम ने इन खेलों को टाले जाने को सकारात्मक रूप से लेते हुए कहा है कि इससे उन्हें इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता की तैयारी करने का अतिरिक्त समय मिलेगा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपर पी आर श्रीजेश ने कहा कि खेलों का स्थगित होना निराशाजनक है लेकिन इससे उन्हें तैयारी के लिए अधिक समय मिल जाएगा। श्रीजेश ने कहा, यह निराशाजनक है, लेकिन चीन के हालात को देखते हुए हम इसकी उम्मीद कर रहे थे। हम इसे सकारात्मक नजरिए से देखना चाहते हैं क्योंकि हमें एशियाई खेलों की तैयारी के लिये और समय मिलेगा। श्रीजेश ने उम्मीद जताई कि एशियाई खेलों का स्थगित होना उनके लिए भाग्यशाली होगा जैसे तोक्यो ओलंपिक खेलों के दौरान हुआ था जहां भारत ने 41 साल बाद एतिहासिक कांस्य पदक जीता था। उन्होंने कहा, हमें पहले ही स्थगित हो चुके खेलों (टोक्यो ओलंपिक) में खेलने का अनुभव है इसलिए हमें पता है कि लय में कैसे रहना है।

स्टोक्स ने काउंटी चैंपियनशिप में जड़े 17 छक्के

साइमंड्स के एक पारी में सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने अपने पहले काउंटी चैंपियनशिप मैच में डरहम के लिए खेलते हुए वोर्सेस्टरशर के खिलाफ 64 गेंदों में तूफानी शतक जड़ा।

अपनी 88 गेंद में 161 रन की शानदार पारी के दौरान उन्होंने 17 छक्के और 8 चौके जड़े। इसी के साथ बेन स्टोक्स ने काउंटी चैंपियनशिप की एक पारी में सर्वाधिक छक्के लगाने के एंड्रयू साइमंड्स के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। साइमंड्स ने 16 छक्के लगाए हैं, जबकि बेन स्टोक्स ने अपनी पारी में 17 छक्के लगाए। उन्होंने स्पिनर जोश बेकर के ओवर में लगातार पांच छक्के जड़ते हुए अपना शतक पूरा किया। इस ओवर ने उन्होंने 34 रन जड़ दिए। इससे पहले 2011 में हैम्पशायर के खिलाफ भी इस खिलाड़ी ने लगातार 5 गेंदों पर 5 छक्के जड़ दिए थे। बेन स्टोक्स ने आईपीएल 2022 में नहीं खेलने का फैसला किया था। क्योंकि इंग्लैंड के लिए वह टेस्ट क्रिकेट में ज्यादा कुछ बेहतर नहीं कर पा रहे थे। इस वजह से उन्होंने आईपीएल के बजाय काउंटी खेलने का फैसला किया।

संतोष ट्रॉफी विजेता केरल को एक करोड़ रुपये का पुरस्कार

कोच्चि। वीपीएस हेल्थकेयर के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. शमशीर वायलिल द्वारा आयोजित केरल फुटबॉल टीम के सम्मान समारोह के दौरान फुटबॉल खिलाड़ियों की तीन पीढ़ियों को एक साथ देखना एक अविश्वसनीय क्षण था। एनआरआई उद्यमी शमशीर वायलिल ने एक छत के नीचे जुटे तमाम फुटबाल दिग्गजों की मौजूदगी में संतोष ट्रॉफी विजेता टीम को एक करोड़ रुपये का पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की।

यह आयोजन राज्य के पुराने और नए दोनों तरह के बेहतरीन फुटबॉलरों का एक आनंदमय पुनर्मिलन था, जिन्होंने केरल फुटबॉल को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। पूर्व संतोष ट्रॉफी विजेता कप्तान - कुरिकेश मैथ्यू (1993), वी. शिवकुमार (2001), सिल्वेस्टर इग्नाटियस (2004), राहुल देव (2018) - और अन्य दिग्गज खिलाड़ी, जिनमें आईएम विजयन, जो पॉल एंचेरी और आसिफ साहिर शामिल हैं, ने इस आयोजन की शोभा बढ़ाई।

पूर्व संतोष ट्रॉफी विजेता कप्तान दिवंगत वीपी सत्यन की पत्नी अनीता सत्यन और पूर्व फुटबॉल कोच टी.ए. जाफर और एम. पीतांबरन भी इस अवसर पर मौजूद थे। 1973 के चैंपियनशिप विजेता कप्तान दिवंगत टी.के.एस मणि के परिवार के सदस्य, जो इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके, ने सभी को अपनी शुभकामनाएं दीं।

वीपीएस हेल्थकेयर इंडिया हेड हाफिज अली उल्लत और वीपीएस हेल्थकेयर कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस और सीएसआर हेड डॉ. राजीव मंगोटिल द्वारा विजेताओं को 1 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर केरल के कप्तान जिजो जोसफ ने कहा, हमने इस इवेंट के लिए खूब मेहनत की थी। हमारे मुख्य कोच और अन्य कोचिंग स्टाफ को उनके निरंतर मेहनत और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद। मुझे लगता है कि खेलों में निस्वार्थ रुचि से ऐसे परिणाम सामने आते हैं। इससे देश में खेलों का विकास होता है। साथ ही जोसफ ने फाइनल से पहले एक करोड़ रुपये के पुरस्कार की आश्चर्यजनक घोषणा के लिए डॉ. शमशीर को धन्यवाद दिया।

`विजयन को विजेता टीम का अभिवादन करते देखना सुखद रहा। संतोष ट्रॉफी में केरल और पश्चिम बंगाल के लिए खेलने वाले और भारतीय टीम की कप्तानी करने वाले दिग्गज ने कहा, हमें खुशी है कि डॉ शमशीर ने हमें अनुभवी खिलाड़ियों और कोचों का सम्मान किया है। मुझे नहीं लगता कि ऐसा पहले कभी हुआ है। इससे मुझे गर्व महसूस होता है।" भावुक विजयन ने उद्यमी से केरल में जमीनी स्तर पर एक अकादमी शुरू करने का भी अनुरोध किया।

पूरे टूनामेंट में केरल के लिए गोल करने वाले खिलाड़ियों को भी 10 लाख रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

'मैंने ऋषभ को कहा था कि मुझे नंबर पांच पर मौका दीजिए': पॉवेल

मुम्बई। रोवमैन पॉवेल के आईपीएल सीजन को देखते हुए दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत अपने पिछले मैच के बाद पॉवेल के कमरे में गए और उनसे पूछा कि वह कहां बल्लेबाजी करना चाहते हैं। आठ पारियों में सिर्फ. 135 रन बनाने वाले पॉवेल ने अपने कप्तान से कहा, "मुझ पर भरोसा करो और मुझे नंबर 5 पर बल्लेबाजी करने दो।"

पॉवेल ने इस आईपीएल में सबसे पहले नंबर 6 पर बल्लेबाजी की, फिर बीच में नंबर 5 पर दो बार बल्लेबाजी की, फिर से उन्हें नंबर 6 पर धकेल दिया गया, और यहां तक कि राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उन्होंने नंबर 8 पर बल्लेबाजी की। उस मैच में उनकी टीम 223 का पीछा कर रही थी और हार गई। उनके आगे अक्षर पटेल और शार्दुल ठाकुर को बल्लेबाजी करने के लिए भेजा गया, जिससे पॉवेल को बुरा लगा।

अपने होटल के कमरे में बैठकर पॉवेल ने अपने कप्तान को समझाने की कोशिश की कि उनके पास स्पिनरों को भी मारने क्षमता है और वह नंबर 5 पर बल्लेबाजी करना चाहते हैं।

पॉवेल ने मेजबान ब्रॉडकास्टर स्टार स्पोर्ट्स से नाबाद 67 रन बनाने के बाद कहा, "पिछले एक साल में स्पिनरों के खिलाफ बल्लेबाजी करने पर मैंने काफी काम किया है। मैं स्पिन के खिलाफ काफी बेहतर बल्लेबाजी कर रहा हूं और मैं पहले से ही तेज गति के खिलाफ बल्लेबाजी कर सकता हूं। मैंने पंत को कहा कि आप मुझ पर भरोसा करते हुए नंबर 5 पर खेलने का मौका दें। मुझे अपनी पारी को शुरू करने का मौका दीजिए, मैं पहली 15-20 गेंदों पर संयम के साथ बल्लेबाजी करना चाहता हूं। उसके बाद मैं गेंदबाजों पर आक्रमण करूंगा।"

पॉवेल ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, "मैं आईपीएल में यह जानकर आया था कि मैं अच्छी फॉर्म में हूं, यह जानते हुए कि मैंने काफी काम किया है। आईपीएल की शुरूआत में यह मेरे लिए थोड़ा कठिन था। मैं बस खुद्र पर विश्वास रखता हूं। मैंने ऋषभ के साथ बातचीत की, उन्हें समझाया कि मैं उस मैच में नंबर 8 पर बल्लेबाजी करने कारण थोड़ा निराश था। हालांकि यही इस खेल की प्रकृति है, आपको जिस भी स्थिति में रखा गया है, आपको अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। ऋषभ और कोच रिकी पोंटिंग एक निष्कर्ष और योजना के साथ आए और मुझे पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने का मौका दिया।"

पंत ने पॉवेल के साथ अपनी बातचीत के बारे में स्टार स्पोर्ट्स को बताया, "मुझे किसी भी खिलाड़ी से बातचीत करने में कोई फर्क नहीं पड़ता। शुरूआत में उसे पर्याप्त रन नहीं मिल रहे थे, लेकिन हमें पता था कि वह हमें क्या दे सकता है, इसलिए हमने उसका समर्थन किया और अब वह उड़ते हुए बाहर आ रहा है।"

डेफलंपिक्स: वेदिका ने निशानेबाजी में जीता कांस्य

कैक्सियस डो सुल (ब्राजील)। भारत की वेदिका शर्मा ने मूक बधिर लोगों के ओलंपिक 'डेफलंपिक्स' के पांचवें दिन 10 मीटर राइफल महिला स्पर्धा में कांस्य पदक जीता जबकि उनकी साथी प्रांजली धूमल ने चौथा स्थान हासिल किया।

वेदिका ने गुरुवार को फाइनल मुकाबले में 207.2 के स्कोर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया जबकि यूक्रेन की इना अफोंचेंको ने स्वर्ण और दक्षिण कोरिया की या-जु काओ ने रजत पदक हासिल किया। चौथे स्थान पर रहने वाली प्रांजली धूमल का स्कोर 189.1 रहा।

क्वालिफाइंग मुकाबले में वेदिका 538.0 अंक हासिल कर आठवें स्थान पर और उनकी साथी प्रांजली 561.0 अंक हासिल कर पहले स्थान पर रही थीं।

यूरोपा लीग: फ्रैंकफर्ट और रेंजर्स के बीच होगी खिताबी भिड़ंत

सैंटोस बोर्रे के गोल की बदौलत फ्रैंकफर्ट ने वेस्ट हैम को 1-0 से हराया

फ्रैंकफर्ट(एजेंसी)। कोलंबियाई खिलाड़ी राफेल सैंटोस बोर्रे के (26वें मिनट) में दागे गए गोल की बदौलत आइंट्राच्ट फ्रैंकफर्ट ने यूरोपा लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में वेस्ट हैम को 1-0 से हराकर 42 वर्षों में पहली बार किसी यूरोपीय टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। अब फ्रैंकफर्ट खिताबी मुकाबले में स्कॉटलैंड के क्लब रेंजर्स से भिड़ेगा।

सेमीफाइनल के दूसरे चरण में फ्रैंकफर्ट ने वेस्ट हैम को 1-0 से हराया और इस तरह से कुल 3-2 के स्कोर से जीत दर्ज की। दूसरी तरफ रेंजर्स ने पहले चरण में 0-1 से पिछड़ने के बाद दूसरे चरण में शानदार वापसी की तथा आरबी लिपजिग को 3-1 से पराजित करके फाइनल में प्रवेश किया। फ्रेंकफर्ट इससे पहले 1980 में यूएफा कप के फाइनल में पहुंचा था। तब उसने हमवतन जर्मनी के क्लब बोरुसिया मोशेंग्लाबाख को हराकर खिताब जीता था। यूएफा कप की जगह ही बाद में यूरोपा लीग आयोजित की जाने लगी। रेंजर्स 50 वर्षों में पहले यूरोपीय खिताब की तलाश में है। इससे पहले उसने आखिरी बार 1972 में विनर्स कप जीता था।